MUMBAI TARANG

जो सुख में साथ दे,
वे रिश्ते होते हैं
जो दुख में साथ दे,
वे फरिश्ते होती हैं

मुंबई तरंग

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

www.mumbaitarang.com

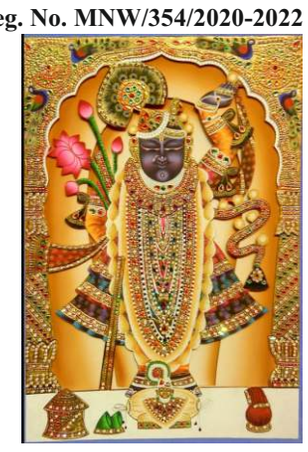

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-14 ❖ मुंबई ❖ रविवार 27 मार्च से 02 अप्रैल 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
परमबीर सिंह केस में महाराष्ट्र सरकार को बड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट ने CBI को सौंपी मामले की जांच

पेज 5
पंजाब में अब 'वन MLA-वन पेंशन':CM भगवंत मान ने कहा- चाहे कितनी बार चुनाव जीता हो, पेंशन एक टर्म की मिलेगी

पेज 7
फिर मसीहा बने सोनू सूद, पैरेंट ने मांगी मदद तो अभिनेता बोले- अब स्कूल से नहीं आएगा कॉल

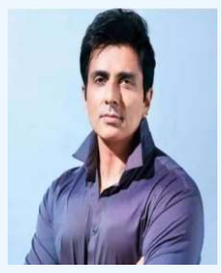

पेज 8
मोदी Vs केजरीवाल: भाजपा के यूपी मॉडल और आप के पंजाब मॉडल में होगी लड़ाई, कौन जीतेगा जनता का दिल?

सत्ता हथियाने के लिए मुझे जेल में डालना चाहती है BJP

- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बीजेपी पर किया प्रहार
- मैं इन हथकंडों से नहीं डरता, मेरे परिवार की मानहानि ना करें: ठाकरे

मेरे परिवार को बदनाम न करें: उद्धव ठाकरे

मुंबई: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई का सामना करने के तीन दिन बाद, ठाकरे ने बीजेपी के भ्रष्टाचार के आरोपों और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार, उनके नेता और उनके परिवार को बदनाम करने के लिए विभिन्न केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई पर भी सवाल उठाया। ठाकरे ने कहा, 'मैं इन हथकंडों से नहीं डरता। अगर आप मुझे सत्ता में आने के लिए जेल में डालना चाहते हैं, तो डाल दें। लेकिन सत्ता हथियाने के लिए इस तरह के दुराचारी व्यवहार में शामिल न हों। हमें या हमारे परिवार के सदस्यों को परेशान न करें। हमने कभी आपके परिवार के सदस्य को परेशान नहीं किया।' कोविड -19 महामारी, मंत्री नवाब मलिक और अन्य के प्रकरण के दौरान बृहन्मुंबई नगर निगम में विपक्ष के भ्रष्टाचार के आरोपों के अपने तीखे जवाब में, ठाकरे ने बीजेपी के आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि कोविड प्रबंधन के 'मुंबई मॉडल' का विश्व स्तर पर स्वागत किया गया है और विपक्ष का स्वागत है कि वह किसी भी चूक को इंगित करे, जिसे ठीक किया जा सकता है। उन्होंने बीजेपी से निराधार आरोप लगाना बंद करने का आह्वान किया। बराक ओबामा के बहाने प्रधानमंत्री से पूछा सवाल यह पूछे जाने पर कि क्या ईडी बीजेपी की 'नौकर' बन गई है, खासकर विशेष रूप से पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख और बाद में मलिक की गिरफ्तारी के बाद। मुख्यमंत्री ने मलिक और एमवीए को सामान्य रूप से माफिया डॉन दाऊद इब्राहिम के साथ जोड़ने और चुनावों में भगोड़े के नाम का उपयोग करने के लिए विपक्ष पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने याद किया कि कैसे राज्य के पूर्व गृह मंत्री गोपीनाथ मुंडे ने दाऊद को वापस लाने का वादा किया था, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ है। ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना पूछा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अल कायदा लीडर ओसामा बिन लादेन को मारने के लिए अपने कमांडो को पाकिस्तान भेजकर हिम्मत दिखाई।

विदेश में बनाई करोड़ों की संपत्ति?

MVA के मंत्रियों के बाद बीजेपी के निशाने पर बीएमसी कमिश्नर

मुंबई:महाविकास अघाड़ी सरकार और महाराष्ट्र बीजेपी के बीच चल रही अदावत कम होने का नाम नहीं ले रही है। अनिल देशमुख, नवाब मलिक, श्रीधर पाटणकर और यशवंत जाधव के बाद अब बीजेपी ने देश की सबसे अमीर महानगरपालिका बीएमसी के कमिश्नर इकबाल सिंह चहल पर निशाना साधा है। बीजेपी नेता मोहित कंबोज ने आरोप लगाया है कि बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने विदेशों में काफी संपत्ति जमा की है। वे आने वाले दिनों में इससे संबंधित सबूतों वाली फाइल जांच एजेंसी को सौंपेंगे। आपको बता दें कि मुंबई इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने बीएमसी कमिश्नर को 10 मार्च को नोटिस भेजा था। मोहित कंबोज ने कहा कि महाराष्ट्र की ठाकरे सरकार के आंख के तारे इकबाल सिंह चहल बीते 2 साल से

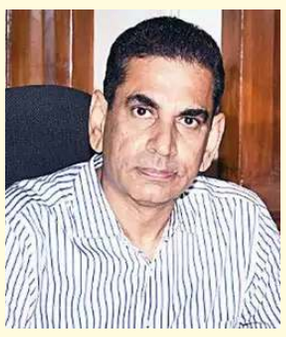

सुर्खियों में हैं। इस बार वह इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की नोटिस की वजह से चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। मोहित कंबोज ने कहा कि आयकर विभाग से मेरा यह सवाल है कि सिर्फ नेताओं की ही जांच क्यों की जाती है? नौकरशाहों और अन्य लोगों से भी पूछताछ की जानी चाहिए। कंबोज ने कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र की जनता के लिए यह भी जानना जरूरी है कि यशवंत जाधव के भ्रष्टाचार में बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल किस हद तक शामिल थे। मोहित कंबोज ने कहा कि बीजेपी विधायक अमित साटम फिलहाल बीएमसी के भ्रष्टाचार पर एक किताब आने वाले 15 दिनों में प्रकाशित करने जा रहे हैं। जो नगरपालिका में दो साल के दौरान हुए भ्रष्टाचार का लेखा-जोखा होगा। कंबोज ने कहा कि इस जांच को सिर्फ यशवंत जाधव तक ही सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि इसमें शामिल सभी अधिकारियों की जांच होनी चाहिए। ताकि उनका भ्रष्टाचार बाहर आ सके और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। मोहित कंबोज ने कहा, 'हम यह मांग करते हैं कि मस्जिदों पर लगाए गए अवैध लाउडस्पीकर को हटाया जाए। इस संबंध में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी फैसला सुनाया था।

अब समंदर का मीठा पानी पीयेंगे मुंबईकर

साल 2025 से होगी शुरूआत

मुंबई: मालाड के मनोरी में समुद्र के पानी को मीठा करने की योजना पर बीएमसी(BMC) आगे बढ़ रही है। बीएमसी को उम्मीद है कि दिसंबर, 2022 से इस प्रॉजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का यह ड्रीम प्रॉजेक्ट है, जिस पर बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल विशेष ध्यान दे रहे हैं। बीएमसी की कोशिश है कि मनोरी प्रॉजेक्ट से वर्ष 2025 तक मुंबईकरों को पानी मिलने लगे। बीएमसी वॉटर डिपार्टमेंट के चीफ इंजिनियर (प्रॉजेक्ट) वसंत गायकवाड ने बताया कि डीपीआर (डिटेल प्रॉजेक्ट रिपोर्ट) पर काम चल रहा है। प्रॉजेक्ट के लिए एमटीडीसी से जगह अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू है। इन सब कार्यों को पूरा करने में अगस्त-सितंबर तक का समय लग सकता है। उसके बाद प्रॉजेक्ट के लिए ग्लोबल टेंडर जारी किया जाएगा। गायकवाड ने बताया कि इस प्रॉजेक्ट को पूरा होने में तीन साल का समय लग सकता है। हमारी कोशिश है कि वर्ष 2025 से मुंबईकरों को समुद्र का मीठा पानी पीने के लिए मिलने लगे। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बजट भाषण के दौरान भी इस प्रॉजेक्ट की खासियत बताई थी। उन्होंने कहा था कि समुद्र से पानी मीठा करने का प्रॉजेक्ट सफल होने के बाद मुंबई में काफी हद तक हम पानी की समस्या दूर कर सकेंगे।

ग्लोबल टेंडर से मिलेगा फायदा

इस प्रॉजेक्ट के लिए बीएमसी ने इससे पहले मई 2022 में ग्लोबल टेंडर निकालने की योजना बनाई थी, लेकिन कोरोना की तीसरी लहर के कारण इसमें देरी हुई। अब ग्लोबल टेंडर सितंबर तक निकलने की उम्मीद है। ग्लोबल टेंडर निकालने से बीएमसी के पास चुनने के कई विकल्प मौजूद होंगे। इससे क्वॉलिटी पर फोकस करने का मौका मिलेगा। मनोरी प्रॉजेक्ट के लिए बीएमसी, एमटीडीसी से 12 हेक्टेयर जमीन लेगी। इस प्रॉजेक्ट के तैयार होने पर पहले चरण में प्रतिदिन मुंबई को 200 एमएलडी पानी मिलेगा। प्रॉजेक्ट के दूसरे चरण में मुंबई को 400 एमएलडी पानी की प्रतिदिन आपूर्ति होगी। इस प्रॉजेक्ट पर बीएमसी 3520 करोड़ रुपये खर्च करेगी। खास बात यह है कि इस प्रॉजेक्ट की वजह से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा। इस वजह से मुख्यमंत्री इस प्रॉजेक्ट पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

मुंबई के KEM अस्पताल में भी दवाओं की किल्लत

स्लाइन, मरहम पट्टी तक बाहर से खरीदने की नौबत

मुंबई: राज्य सरकार के सबसे बड़े अस्पताल जेजे(JJ Hospital) में दवाई न मिलने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ कि बीएमसी(BMC) के प्रमुख अस्पतालों में से एक केईएम अस्पताल(KEM Hospital) में भी दवाई की किल्लत का मामला सामने आया है। यहां के इमरजेंसी वॉर्ड में भर्ती मरीजों को सिर्फ डॉक्टरों की ही सेवा मुफ्त मिल पा रही है, जबकि सारी दवाइयां बाहर निजी मेडिकल से मंगाई जा रही हैं। हालांकि अस्पताल प्रशासन दवाई के अभाव के लिए केंद्रीय खरीदारी को जिम्मेदार ठहरा रहा है। केईएम अस्पताल के इमरजेंसी वॉर्ड 4-ए में रोजाना 80 से 85 मरीज आते हैं। यहां आनेवाले मरीजों को इन दिनों इलाज के लिए लगनेवाली सभी दवाइयां बाहर निजी मेडिकल से खरीदकर लानी पड़ रही हैं।

इस वॉर्ड में भर्ती बबन सावंत के भतीजे मुकेश जाधव ने बताया कि अंबरनाथ से सुबह 3 बजे वे अपने चाचा बबन सावंत को लकवा मारने की वजह से केईएम अस्पताल ले आए।

सबेरे से अभी तक उनके इलाज में लगनेवाली छोटी से छोटी दवाइयां तक बाहर से मंगाई जा रही हैं। एक अन्य मरीज लक्ष्मण साबले के बेटे हनुमंत साबले ने बताया कि उनके पिता टीबी मरीज है। वे अभी न ही कुछ कह पा रहे हैं और न ही कुछ खा पा रहे हैं। इनके लिए लगने वाली स्लाइन तक बाहर से मंगाई जा रही है।

लोकल स्तर पर की जा रही है खरीदारी

केईएम की डीन डॉ. संगीता रावत से जानने की कोशिश की गई तो उन्होंने इस बारे में कुछ भी कहने से मना कर दिया। हालांकि अस्पताल के ही एक वरिष्ठ डॉक्टर्स ने बताया कि दवा और सर्जिकल सामानों की किल्लत को दूर करने के लिए पिछले दो महीनों से लोकल स्तर पर अस्पताल प्रशासन दवा खरीद रहा है। अस्पताल की डीन को अपने स्तर पर करीब 10 लाख रुपये और विभाग के प्रमुख डॉक्टर्स को करीब 3 लाख रुपए तक की दवाई खरीदने का अधिकार है और इसी अधिकार का इस्तेमाल दवाई खरीदने के लिए किया जा रहा है।

दो वर्ष से बना नहीं है दवाई का शेड्यूल

बीएमसी स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बीते दो वर्षों से यह दिक्कत हो रही है। जिस वजह से बीएमसी अस्पतालों में दवाइयों की किल्लत हो रही है। सिर्फ प्रमुख अस्पतालों में ही नहीं छोटे- छोटे दवाखानों, प्रसुति गृहों में भी दवाइयों का अभाव है। इस कमी को पूरा करने के लिए लोकल स्तर पर दवाई खरीदारी की जा रही है। दवाखानों और प्रसुति गृहों में लोकल स्तर पर तीन से 5 हजार रुपये तक दवाई खरीदी जा रही है।

क्या कहते हैं अधिकारी

केंद्रीय खरीदारी विभाग के उपायुक्त रमाकांत बिरादर ने बताया कि अस्पतालों में दवाई की किल्लत का सवाल ही नहीं उठता है क्योंकि दवाई की कमी पर लोकल स्तर पर खरीदारी करने का अधिकार अस्पताल के डीन और विभाग के प्रमुखों को दिया गया है। उनके विभाग की ओर से शेड्यूल समय पर ही बना दिया जाता है। विभाग का काम दवाई खरीदारी के लिए एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी नियुक्ति के बाद अस्पताल प्रशासन को बता दिया जाता है कि संबंधित एजेंसी और कंपनी से उन्हें दवा लेनी है।

लगातार पांचवें दिन बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, नितिन गडकरी ने बताई रोज ईंधन के दाम बढ़ने की वजह

चार महीने तक ईंधन की कीमतें स्थिर रहने के बाद मंगलवार को कीमतों में एक बार फिर से बढ़ोत्तरी होनी शुरू हुई. पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इस लगातार बढ़ती हुई कीमतों की वजह क्या है? यह सवाल केंद्रीय सड़क परिवहन और महामार्ग मंत्री नितिन गडकरी से पूछा गया. नितिन गडकरी ने इसका जवाब दिया.

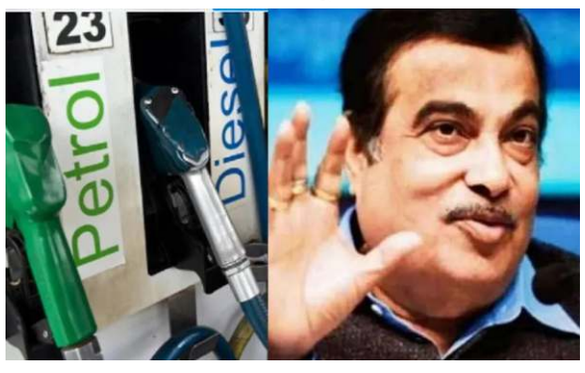

ईंधन की दर दिन-ब-दिन आउट ऑफ कंट्रोल होता जा रहा है. लगातार पांचवे दिन पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़े हैं. इन पांच दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम चार बार बढ़ाए गए हैं. शनिवार (26 मार्च) को भी ईंधन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोत्तरी की है. शनिवार को पेट्रोल-डीजल के दामों में 80 पैसों की बढ़ोत्तरी हई है. इस तरह पिछले पांच दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम करीब 3 रुपए 20 पैसे तक दाम बढ़ चुके हैं. महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई की बात करें तो यहां पेट्रोल के दाम 84 पैसे तो डीजल के दाम 85 पैसे बढ़े. इस तरह मुंबई में शनिवार को पेट्रोल की कीमत 112.51 रुपए प्रति लीटर से बढ़ कर 113.35 रुपए प्रति लीटर हो गई. इसी तरह डीजल की कीमत 96.70 रुपए से बढ़ कर 97.55 रुपए प्रति लीटर हो गया. इस तरह दिल्ली की बात छोड़ दें तो लगभग सभी महानगरों में पेट्रोल का दाम 100 रुपए को क्रॉस कर चुका है. दिल्ली में शनिवार को पेट्रोल की कीमत 98.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल की दर 89.87 रुपए प्रति लीटर हो गई है. पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इस बेतहाशा होती हुई बढोत्तरी की वजह से आम आदमी की जेब पर काफी बोझ बढ़ा है. चार महीने तक ईंधन की कीमतें स्थिर रहने के बाद मंगलवार को कीमतों में एक बार फिर से बढ़ोत्तरी होनी शुरू हुई. पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इस लगातार बढ़ती हुई कीमतों की वजह क्या है? यह सवाल केंद्रीय सड़क परिवहन और महामार्ग मंत्री नितिन गडकरी से पूछा गया. नितिन गडकरी ने इसका जवाब दिया. पेट्रोल-डीजल की कीमतें रोज क्यों बढ़ रही? इस सवाल के जवाब में बोले गडकरी

नितिन गडकरी ने कहा, 'भारत में 80 फीसदी तेल आयात किया जाता है. इस वक्त रशिया और यूक्रेन का युद्ध शुरू है. इस युद्ध का असर कई देशों पर हो रहा है. युद्ध के काल में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ने की वजह से हम कुछ नहीं कर सकते.' ईंधन की कीमतें बढ़ने का टेंशन होगा कम, हर पांच किलोमीटर पर बन रहे हैं चार्जिंग स्टेशन 19 मार्च 2022 तक देश में 10 लाख 60 हजार 707 इलेक्ट्रिक वाहनों का रजिस्ट्रेशन हुआ. यह जानकारी सड़क परिवहन और हाइवे मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में दी. एक सवाल के जवाब में नितिन गडकरी ने कहा, 'ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशियंसी के मुताबिक 21 मार्च 2022 तक देश में 1742 सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन कार्यरत हो चुके हैं. देश के अहम महामार्गों पर 5 किलोमीटर के अंतर पर चार्जिंक स्टेशन बनाने का काम किया जा रहा है.' जब ज्यादातर लोग इलेक्ट्रिग वाहनों का इस्तेमाल करने शुरू कर देंगे तो बहुत हद तक पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोत्तरी का असर कम हो जाएगा. यह वजह है कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता दिखाई जा रही है. सरकार की ओर से इसे बढ़ावा देने के लिए जोर दिया जा रहा है.

मुंबई वसूली मामले में घिरे क्वर अधिकारी सौरभ त्रिपाठी की सफाई, कहा- सीनियर के आदेशों पर फंसाया गया

महाराष्ट्र के मुंबई में अगड़िया व्यापारियों से कथित वसूली मामले में महाराष्ट्र कैडर के IPS अधिकारी सौरभ त्रिपाठी पर लगे वसूली के आरोपों के बाद उन पर तलवार लटकने लगी.वहीं, DCP सौरभ त्रिपाठी ने दावा किया है कि उन्हें अपने सीनियर के दबाव के कारण अंगडीया फिरौती मामले में फंसाया गया है. त्रिपाठी के वकील ने उस रिपोर्ट की कॉपी की भी मांग की जिस पर सौरभ त्रिपाठी पर अचानक आरोप लगाया गया था. हालांकि, जांच शुरुआती चरण में है और याचिकाकर्ताओं को रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की जा सकती है. इस दौरान जांच अधिकारी ने कोर्ट को बताया कि भगोड़े घोषित किए गए सस्पेंड़ DCP सौरभ त्रिपाठी ने मुंबई सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत मांगी है. जहां पर बीते गुरुवार को जस्टिस आर.एम. सदरानी के समक्ष सुनवाई हुई. ऐसे में अनिकेत निकम अपने मुवक्किल सौरभ त्रिपाठी के लिए बहस कर रहे हैं और सुनवाई शुक्रवार को भी जारी रहेगी. दरअसल, वकील अनिकेत निकम ने कोर्ट में दावा किया है कि इसके पीछे का मास्टरमाइंड ओम वंगाटे है. वह है जिसने इन अंगडीयो को धमकाया और उनसे जबरन वसूली की. इसमें सबसे जरूरी बात यह है कि वांगटे, कदम और जामदाडे इन पुलिस अधिकारियों से की गई पूछताछ में सौरभ त्रिपाठी के नाम का जिक्र कभी नहीं आया था, जब वे पुलिस हिरासत में थे या मामला दर्ज होने से पहले भी नाम नही आया था. जिस दिन इन्हे न्यायिक हिरासत में भेजा गया,तब अचानक DCP सौरभ त्रिपाठी का नाम

कैसे आ गया ? साथ ही त्रिपाठी पर इस मामले में लूट का आरोप लगाने वाली धाराएं पूरी तरह से अवैध हैं. सौरभ त्रिपाठी ने भी इस मामले में अपना शुरुआती जवाब दर्ज किया है. जिसमें उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि हमारा इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है.

सेशन कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

वहीं, बीते साल दिसंबर 2021 में, अंगड़िया एसोसिएशन ने तत्कालीन पुलिस कमिशनर हेमंत नागराले से संपर्क किया था. जिसमें उसने DCP सौरभ त्रिपाठी पर कारोबार को चालू रखने के लिए DCP जोन 2 से हर महीने 10 लाख रुपए की फिरौती मांगने का आरोप लगाया. इस पर कमिश्नर ने आरोपों की जांच के लिए साउथ डिवीजन के एडिशनल कमिश्नर दिलीप सावंत को नियुक्त किया है. हालांकि, इस मामले में एल.टी. मार्ग थाना निरीक्षक ओम वांगटे, एपीआई नितिन कदम और पीएसआई समाधान जामदाडे से पूछताछ की गई। उस समय, वांगटे और अन्य 2 अधिकारीयो पर एल.टी. मार्ग थाने में फिरौती का मामला दर्ज किया गया है.

मुंबई क्राइम ब्रांच की CIU यूनिट ने DCP त्रिपाठी को किया भगोड़ा घोषित

गौरतलब है कि गिरफ्तार अधिकारियों पर दिसंबर में अंगडीयन एसोसिएशन से 18 लाख रुपए से 20 लाख रुपए के बीच गबन करने का आरोप लगाया गया है, उनके खिलाफ आरोप दर्ज करने या उनकी अवैध गतिविधियों के बारे में आयकर विभाग को सूचित करने की धमकी दी गई है. इस पर त्रिपाठी के खिलाफ आगे की जांच में फिरौती का मामला दर्ज होने के बाद मुंबई पुलिस ने राज्य के गृह विभाग को पत्र भेजकर प्रशासनिक कार्रवाई के तौर पर डीसीपी को विभागीय जांच के लिए सस्पेंड करने की मांग की थी. त्रिपाठी के खिलाफ 18 फरवरी को मामला दर्ज किया गया है और वह तब से सेवा मे अनुपस्थित हैं. इसलिए मामले की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच की क्रिमिनल इंटेलिजेंस यूनिट (CIU) ने त्रिपाठी को भगोड़ा घोषित कर दिया है. यह देखते हुए, सीएम ने अंततः 20 मार्च को डीसीपी सौरभ त्रिपाठी के सस्पेंशन पर हस्ताक्षर किए. जानिए कौन हैं सौरभ त्रिपाठी?

बता दें कि महाराष्ट्र कैडर के IPS अधिकारी सौरभ त्रिपाठी साल 2010 बैच के IPS अधिकारी, जिनके पास MBBS और एमडी (त्वचाविज्ञान) की डिग्री है,

राजनीति में हिंसा रुके, ममता बनर्जी के सामने दोहरी चुनौती

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की हत्या के बाद जिस तरह से आठ लोगों को जिंदा जलाकर मार डाला गया, उस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सभी दोषियों को सजा दिलाने की बात कही है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि इसमें केंद्र, राज्य सरकार की हर तरह से मदद करने को तैयार है। इसके साथ मोदी ने राज्य के लोगों से ऐसी हिंसक घटनाओं को बढ़ावा देने वाले लोगों को कभी माफ न करने की अपील की। प्रधानमंत्री के बयान को आधार बनाएं तो ऐसी घटना के बाद जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों से ऐसे ही संयत और गंभीर रुख की अपेक्षा की जाती है। राज्य में इस घटना को लेकर जिस तरह से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्यपाल जगदीप धनकड़ आमने-सामने नजर आए और दोनों में तीखी बयानबाजी हुई, वह वाकई निराशाजनक है। मुख्यमंत्री ने घटना की निष्पक्ष जांच का आश्वासन देते हुए भी इसके पीछे राज्य को बदनाम करने की संभावित साजिश का जिक्र कर दिया। ऐसे बयान उन आशंकाओं को मजबूती देते हैं कि कहीं जांच प्रक्रिया को खास दिशा देने की कोई मंशा तो काम नहीं कर रही। बहरहाल, बीरभूम की घटना पश्चिम बंगाल के लिए न तो नई है और न ही आश्चर्यजनक। संगठित हिंसा यहां की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा काफी पहले से बनी हुई है।

तीन दशकों से ऊपर के लेफ्ट शासन के दौरान यहां राजनीतिक और सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में सीपीएम कार्यकर्ताओं का वर्चस्व स्थापित हो चुका था। अपने लिए स्पेस बनाने की विरोधी पार्टियों की कोशिशों से उस दौरान प्राय: हिंसक तरीकों से ही निपटा जाता था। ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने लेफ्ट पार्टियों के वर्चस्व को तो खत्म किया, लेकिन राजनीति की इस शैली को बदलने का कोई खास प्रयास भी उसकी तरफ से होता नहीं दिखा। नतीजा यह कि जिस 'सिंडिकेट कल्चर' को कोसते हुए तृणमूल सत्ता में आई, वह और व्यापक हुआ। इसी का नतीजा है कि राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी होने के बावजूद जब तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की हत्या होती है तो उसके शोक संतप्त समर्थक भी इंसाफ के लिए पुलिस और प्रशासन का मुंह देखने के बजाय खुद कानून हाथ में लेकर संदिग्धों को तत्काल सजा देने का अभियान शुरू कर देते हैं। ममता बनर्जी न केवल तृणमूल कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता और राज्य की मुख्यमंत्री हैं बल्कि हालिया विधानसभा चुनावों में बीजेपी को पराजित करने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का संभावित साझा चेहरा भी मानी जा रही हैं। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति दुरुस्त रखने के साथ ही हिंसा की संस्कृति खत्म कर वहां लोकतांत्रिक राजनीति का दायरा बढ़ाने की चुनौती भी उनके सामने है। इस दिशा में कारगर प्रयासों से ही राष्ट्रीय राजनीति में विकल्प के उनके दावे को प्रामाणिकता मिलेगी।

12वीं के नंबर का अब नहीं रहेगा कोई रोल, CUET के आधार पर मिलेगा ग्रेजुएशन में एडमिशन

किरीट ए. चावड़ा

यूजीसी ने देश की सभी 45 सेंट्रल यूनिवर्सिटी और उनसे जुड़े कॉलेजों के अंडर ग्रेजुएट कोर्स में प्रवेश के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) को अनिवार्य बनाकर शिक्षा में सुधार की एक बड़ी पहल की है। इन तमाम यूजी कोर्स में एडमिशन के दौरान अब 12वीं की बोर्ड परीक्षा में हासिल नंबरों की कोई भूमिका नहीं होगी। यूजीसी ने साफ किया है कि यूनिवर्सिटी चाहें तो 12वीं के नंबरों को विभिन्न कोर्सों के एंट्रेंस टेस्ट में शामिल होने की पात्रता का आधार बना सकती हैं, लेकिन एडमिशन पूरी तरह से सीयूईटी में हासिल नंबरों के ही आधार पर होगा। इस व्यवस्था का पहला स्वागत योग्य परिणाम यह होगा कि विभिन्न कॉलेजों में एडमिशन की अतार्किक ढंग से ऊंची कटऑफ लिस्ट अतीत की बात बन जाएगी।

ऊंची कटऑफ की समस्या दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) में खास तौर पर देखी जाती है। कॉलेजों की ऊंची कटऑफ लाइन 2021 में भी रेकॉर्ड तोड़ती नजर आई, जबकि उस दौरान कोरोना महामारी से उपजे हालात के चलते स्कूल ज्यादातर बंद ही रहे। डीयू के सात कॉलेजों ने दस कोर्सों के लिए इस साल भी पहली कटऑफ लिस्ट 100 फीसदी नंबर की घोषित की थी। विभिन्न राज्यों के

शिक्षा बोर्डों की अलग-अलग मूल्यांकन पद्धतियों के मद्देनजर देश के अलग-अलग हिस्सों के स्टूडेंट्स के लिए यह व्यवस्था असंगत साबित हो रही थी। नई व्यवस्था इस विसंगति को दूर करेगी।

हालांकि एक झटके में जिस तरह से 12वीं की मार्क्सशीट को सब कुछ मानने वाली व्यवस्था की जगह उसे कुछ नहीं मानने वाली व्यवस्था लागू की जा रही है, उससे शुरू में कुछ दिक्कतें महसूस हो सकती हैं। 12वीं के बहुत से स्टूडेंट्स इसे लेकर आशंकित भी हैं। ध्यान रहे कि इसी साल सीबीएसई बोर्ड परीक्षा को दो अलग-अलग टर्मों में बांटा गया। यही नहीं, पहले टर्म के नंबर तब आए जब दूसरे टर्म की परीक्षाएं सिर पर आ चुकी थीं। इसके अलावा सीयूईटी परीक्षा के लिए आवेदन अप्रैल में मंगवाए जाएंगे और परीक्षा जुलाई में आयोजित की जानी है। जाहिर है, तैयारी के लिए ज्यादा वक्त नहीं होगा। कम से कम इस बैच के स्टूडेंट्स के लिए यह सब खासा तनाव पैदा करने वाला साबित हो सकता है।

बावजूद इसके, पुरानी व्यवस्था का खात्मा जरूरी था। अब नई व्यवस्था से पैदा होने वाली शुरुआती असुविधाओं के हल खोजे जाएं और यह भी याद रखा जाए कि नई व्यवस्था भी सभी समस्याओं का हल नहीं है। इसके जरिए देश भर के स्टूडेंट्स की क्वॉलिटी एजुकेशन तक पहुंच को आसान बनाने की कोशिश की गई है, पर स्टूडेंट्स की संख्या और सीटों के अनुपात को बदलने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि डीयू जैसी यूनिवर्सिटी में सीटों की संख्या प्रवेश के इच्छुक स्टूडेंट्स के मुकाबले कम ही पड़ने वाली है। यह एक बड़ी और जटिल समस्या है। जाहिर है, इसके लिए बड़े सुधार की जरूरत है।

जा सकती है इमरान खान की सरकार, पर हौसले बुलंद हैं

गणेश पाण्डेय

इमरान खान को पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बने अभी साढ़े तीन साल ही हुए हैं, लेकिन लगता नहीं कि वह अपना कार्यकाल पूरा कर पाएंगे। हालांकि जैसे जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्ता-पलट कर दिया था, मौजूदा सेनापति कमर बाजवा को शायद वैसा न करना पड़े। बहुत संभव है, तख्ता-पलट की जगह वोट-पलट के जरिए इमरान को अपदस्थ किया जाए। नवाज शरीफ की मुस्लिम लीग, जरदारी की पीपीपी और फजलुर रहमान की जमात उलेमा-इस्लाम- तीनों ने मिलकर इमरान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव रखा है, जो कब का पास हो जाता। लेकिन पाकिस्तानी संसद की बैठक नहीं बुलाई जा सकी, क्योंकि अभी उसी भवन में 'इस्लामिक सहयोग संगठन' का सम्मेलन चल रहा है। बहरहाल, अविश्वास प्रस्ताव पर शीघ्र ही मतदान होना है, लेकिन यह भी संभव है कि उसके पहले ही इमरान अपने इस्तीफे की पेशकश कर दें। इमरान के इस्तीफे के आसार इसलिए बढ़ गए हैं कि जिस फौज के दम पर उनका तकिया था, वही अब उन्हें हवा देने लगी है।

फौज से मोहभंग

इमरान की पार्टी 'पाकिस्तान तहरीके-इंसाफ' पार्टी (पीटीआई) 2018 के चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन उसे स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। संसद की 343 सीटों में से उसे 155 सीटें मिली थीं। लेकिन कई अन्य पार्टियों की 24 सीटें जोड़कर वह सत्तारूढ़ हो गई। इमरान की इस जीत के पीछे पाकिस्तान फौज की शै थी। भुट्टो की पीपीपी और नवाज की मुस्लिम लीग के कई सांसदों को तोड़कर फौज ने उन्हें इमरान की पार्टी का उम्मीदवार बनवा दिया था। नवाज शरीफ को अपदस्थ करने की मांग करने के कारण इमरान पाकिस्तानी फौज के करीबी बन गए थे। लेकिन फौज और इमरान का एक-दूसरे से जल्दी ही मोहभंग हो गया। दोनों एक-दूसरे के विरुद्ध कदम उठाने लगे। 2019 में जब जनरल बाजवा का कार्यकाल बढ़ाया गया तो उस आदेश को इतनी देर से जारी किया गया कि वह सर्वोच्च न्यायालय और जनता में भी विवाद का विषय बन गया। अदालत के आदेश पर उसे संसद से पास करवाना पड़ा। उधर, इमरान खान के भाषण तो जोरदार होते रहे लेकिन विरोधी दलों ने उनके खिलाफ काफी बड़े-बड़े प्रदर्शन सारे देश में आयोजित कर डाले। महंगाई और प्रशासनिक सुस्ती ने इमरान सरकार की हालत खस्ता कर दी। फौज इस बात से भी नाराज़ थी कि इमरान ने कश्मीर के सवाल को जोर से नहीं उठाया। उन्होंने भारत के साथ ढिलाई बरती।

अमेरिका से भी पाकिस्तान के रिश्तों में कोई सुधार नहीं हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और इमरान के बीच आज तक सीधा संवाद नहीं हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अभी

तक पाकिस्तान को कठघरे में ही रखा है। उसे अब तक छह बिलियन डॉलर की जगह सिर्फ एक बिलियन डॉलर मिले हैं। फौज तो पाकिस्तान की असली मालिक है, लेकिन फौज और इमरान के बीच गंभीर तनाव पैदा हो गया है। जनरल बाजवा का यूं तो इमरान ने कार्यकाल बढ़ाकर 2022 तक कर दिया था, लेकिन बाजवा को यह बात नागवार गुजर रही थी कि इमरान उनके उत्तराधिकारी सेनापति की खोज में जुट गए थे। इमरान ने खुफिया एजेंसी आईएसआई के मुखिया जनरल फैज हमीद की गोटी आगे बढ़ानी शुरू कर दी थी। उन्हें तालिबान से सीधा संपर्क करने के लिए इमरान ने काबुल भी भेजा था। उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रचार भी खूब मिलने लगा। उन्हें 11वीं कोर का कमांडर बनाकर पेशावर भेज दिया गया,

लेकिन उनकी जगह गुप्तचर विभाग के मुखिया के तौर पर जनरल नदीम अंजुम को नियुक्त करने में इमरान ने देरी करनी शुरू कर दी। जनरल बाजवा और अन्य फौजियों के कान खड़े हो गए।

उनका असंतोष और अविश्वास सार्वजनिक हो गया। फिर क्या था, सारे प्रमुख विरोधी दल मिल गए और उन्होंने संसद में अविश्वास प्रस्ताव पेश कर दिया। इमरान सरकार ने बीच-बचाव करने के लिए पाकिस्तान के पूर्व सेनापति राहिल शरीफ को सऊदी अरब से इस्लामाबाद भी बुलवाया, लेकिन उसका भी कोई असर जनरल बाजवा और नदीम अंजुम पर नहीं हुआ। फौज का संदेश यही है कि इमरान खुद ही इस्तीफा दे दें। पाकिस्तान के विरोधी दलों ने अपने बहुमत की जुगाड़ बिठा ली है और मियां नवाज शरीफ के छोटे भाई शाहबाज शरीफ को भावी प्रधानमंत्री भी घोषित कर दिया है। अपने भाषणों और टीवी भेंटवार्ताओं में विरोधी नेता- मरियम नवाज और बिलावल भुट्टो इमरान खान का काफी मजाक उड़ाते हैं। इमरान भी ईंट का जवाब पत्थर से दे रहे हैं। वह नवाज शरीफ को गीदड़ और चमगादड़ कहते हैं और शाहबाज शरीफ को हर किसी का बूट पालिश करने वाला बताते हैं। वे तीनों विरोधी पार्टियों के नेताओं- शाहबाज, बिलावल और फजलुर रहमान को भ्रष्ट, देशद्रोही और कमअक्ल बताते हैं। इस समय पाकिस्तानी राजनीति में कटुता चरम पर है।

ऐसी ही स्थिति में इमरान ने यूक्रेन पर भारतीय नीति की तारीफ कर दी और कह दिया कि पाकिस्तान भी किसी गरीब की जोरू नहीं है कि वह आंख मींचकर किसी देश का समर्थन या विरोध करे। पाकिस्तान किसी के आगे झुकेगा नहीं। यह तो ठीक है लेकिन इस्लामिक देशों के सम्मेलन में उस चीन के विदेश मंत्री वांग यी को इमरान ने अपना विशेष अतिथि बनाया है, जिसने शिनच्यांग के दस लाख मुसलमान उइगरों को यातना-शिविरों में डाल रखा है।

अदालती दांव

इमरान के हौसले अभी भी बुलंद मालूम पड़ रहे हैं। हो सकता है पाकिस्तानी संविधान की धारा-63 ए का इस्तेमाल करके वह अपने बागी सांसदों को मतदान के पहले ही अपदस्थ करवाने की कोशिश करें। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में इस आशय की याचिका लगा रखी है। बस, अब अदालत ही उन्हें किसी तरह बचा सकती है। वरना पाकिस्तान के लोग यह मानकर चल रहे हैं कि इमरान के दिन लद गए हैं। लेकिन यह सवाल भी बड़ा है कि जो पाकिस्तानी फौज इमरान को बर्दाश्त नहीं कर पा रही है, वह नवाज शरीफ के भाई को कैसे बर्दाश्त करेगी?

क्वाड को नैटो जैसा क्यों बताया चीन ने

भूपेन्द्र पटेल

जिस तरह के हालात यूक्रेन में बन रहे हैं, उससे कुछ समय से हिंद-प्रशांत के देश चिंतित हैं। पिछले कुछ सालों से अमेरिका और बाकी यूरोपीय देश हिंद-प्रशांत को लेकर अपनी रणनीति मजबूत कर रहे थे। हो सकता है कि यूक्रेन क्राइसिस की वजह से पश्चिमी देशों का, खासतौर पर अमेरिका का ध्यान बंट जाए। इस इलाके में चीन की जो चुनौती उभरकर आ रही है, उससे सबका ध्यान हटकर रूस की ओर चला जाए। चीन का जो ताजा बयान आया है, उसे देखते हुए यही लगता है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जिस तरह की उथल-पुथल रूस और चीन की दोस्ती से बन रही थी, उसमें कोई कमी नहीं आएगी।

परोक्ष धमकी

यूक्रेन क्राइसिस से चीन भले ही थोड़ा परेशान हो, लेकिन एक बार फिर उसने दुनिया का ध्यान इस ओर दिलाया है कि वह हिंद-प्रशांत में अपनी पोजिशन को लेकर नई रणनीति बना रहा है। इसीलिए उसने फिर से यह बात कही है कि जिस तरह से नैटो एक्सपैंशन ने यूरोप में युद्ध के हालात पैदा किए हैं, उसी तरह हिंद-प्रशांत में अमेरिका का आना इस इलाके में और उथल-पुथल बढ़ाएगा। चीन के इस बयान से इस क्षेत्र के अन्य देशों की परेशानी बढ़ेगी क्योंकि चीन की वजह से उन्हें पहले ही दिक्कत हो रही थी। चीन की वजह से इस क्षेत्र में अस्थिरता के हालात बने हैं और लगता नहीं है कि उसमें कोई कमी आएगी।

चीन ने इस बयान से बाइडन सरकार की उस हिंद-प्रशांत नीति पर निशाना साधा है, जिसे इस साल फरवरी में पेश किया गया था। जिस तरह से चीन बार-बार यह बताने की कोशिश कर रहा है कि जो कुछ यूरोप में हो रहा है, वैसी ही स्थिति हिंद-प्रशांत में अमेरिका के आने से बन सकती है, यह एक तरह से धमकी है। यह धमकी वह अमेरिका और पश्चिमी देशों सहित इस इलाके में मौजूद देशों को दे रहा है। वह उन्हें संदेश दे रहा है कि वे अमेरिका या पश्चिमी देशों के करीब ना जाएं। चीन अपना दबदबा और बढ़ाना चाहता है और हिंद-प्रशांत में अमेरिका का दखल बढ़ने पर उथल-पुथल की बात कहकर वह एक तरह से लकीर खींच रहा है।

पिछले कुछ समय से हिंद-प्रशांत इलाके में नए अलायंस बन रहे थे। कई देशों ने इस क्षेत्र को लेकर अपनी नीति पेश की। इनमें भारत तो शामिल है ही। यूरोपियन यूनियन, अमेरिका, आसियान, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने अपनी-अपनी नीतियों को सार्वजनिक किया था। इनमें इसी बात पर जोर रहा है कि चीन के आक्रामक रुख से दूसरे देशों की जो परेशानी बढ़ी है, उसे लेकर बाकी देशों के पास क्या उपाय हैं। एक उपाय इस क्षेत्र में समान सोच वाले देशों के साथ आने का था। ये देश चाहते हैं कि हिंद-प्रशांत में कानून का शासन रहे। ये देश नहीं चाहते कि जिसके पास अधिक ताकत है, वह इसके जोर पर अपना काम निकाले और दूसरों को धमकाए। इसी मकसद से पिछले कुछ सालों में ये देश एक साथ आए हैं। इसमें चीन खासतौर पर क्वाड से परेशान है। क्वाड में भारत के अलावा अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। इन देशों के बीच इस क्षेत्र की सुरक्षा मजबूत करने को लेकर बातचीत चल रही है। उनके बीच सहयोग बढ़ा है।

एक समय चीन मान रहा था कि क्वाड कुछ नहीं है। यह कभी बनेगा ही नहीं और बन भी गया तो यह मजबूत अलायंस नहीं होगा। उसकी यह बात गलत निकली। इसे लेकर 2021 में बाइडन सरकार ने खास पहल की। उसने क्वाड में जान डालने का प्रयास किया। बाकी के तीन अन्य सदस्य देशों ने भी इस पर राजनयिक स्तर पर काफी काम किया है। उन्होंने एक अजेंडा भी बनाया है। यह अजेंडा दूसरे देशों के लिए काफी लुभावना है क्योंकि यह सिर्फ चीन को ही टारगेट नहीं करता। इसमें कहा गया है कि हिंद-प्रशांत की जो भी कॉमन समस्याएं हैं, जो सारे देशों को परेशान करती हैं चाहे वे हेल्थ की हों, तकनीक की हों, इन्फ्रास्ट्रक्चर कनेक्टिविटी की हों, क्लाइमेट चेंज की हों या रीजनल गवर्नमेंट की हों, उनसे निपटने में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत जैसे चार बड़े देश किस तरह से योगदान दे सकते हैं। चीन इसी से घबराया हुआ है। उसे लग रहा है कि अगर यह अजेंडा काम कर जाता है तो वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हाशिये पर चला जाएगा। इसलिए वह बेचैन है।

सवाल है कि यूक्रेन में जो हो रहा है, उसका प्रभाव हिंद-प्रशांत में होगा? मुझे लगता है कि यह अपने आप में बड़ा डिवेलपमेंट है और जिस तरह से रूस के साथ चीन खड़ा है, उसे देखते हुए बाकी देशों के लिए सवाल खड़े हो रहे हैं। खासकर भारत के लिए। भारत के रूस से अच्छे संबंध हैं और भारत ने अभी तक यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस की सार्वजिनक रूप से आलोचना भी नहीं की है। अगर रूस चीन के करीब चला जाता है और रूस पर लगे प्रतिबंधों पर उसे चीन से मदद मिलती है, तो मुसीबत और भी बढ़ जाएगी।

जूनियर पार्टनर रूस

ऐसी कई रिपोर्ट आई हैं, जिनके अनुसार रूस ने चीन से सैन्य और अर्थव्यवस्था को लेकर मदद मांगी है। अगर चीन इसे मान लेता है तो रूस उसका जूनियर पार्टनर बन जाएगा। चीन पर रूस की निर्भरता बढ़ती जाएगी। अगर ऐसा होता है तो भारत की रक्षा क्षेत्र को लेकर रूस पर जो निर्भरता है, उस पर क्या असर पड़ेगा? भारत को कूटनीतिक स्तर पर इसका जवाब तलाशना होगा। असल में, चीन ने हिंद-प्रशांत में अमेरिका की तुलना यूरोप के नैटो एक्सपेंशन से करके यह दिखा दिया है कि वह यहां अपना दबदबा कायम करने की नीति पर आगे बढ़ता रहेगा। इसका अर्थ यह भी है कि जैसे-जैसे अमेरिका हिंद-प्रशांत में आगे बढ़ेगा, चीन उसे टारगेट करेगा। यह भारत के लिए भी अच्छी खबर नहीं है। हमारा पहले से ही उसके साथ विवाद चल रहा है। हिमालय में हमारी फौजें आमने-सामने खड़ी हैं।

नारायण राणे के खिलाफ कार्रवाई की मांग, दिशा सालियान के पेरेंट्स ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

मुंबई: दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व प्रबंधक दिशा सालियान के माता-पिता ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी की मौत के बारे में झूठी खबरें फैलाने और परिवार को बदनाम करने के आरोप में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे उनके बेटे तथा विधायक नितेश और अन्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। दिशा के पिता सतीश सालियान और मां वसंती ने कहा कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला तो उनके पास आत्महत्या के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

राष्ट्रपति को पत्र सतीश और वसंती सालियान ने बुधवार को राष्ट्रपति को एक पत्र लिखकर भाजपा नेता राणे और उनके बेटे द्वारा किये जा रहे उत्पीड़न को रोकने का आग्रह किया।

राणे और उनके बेटे नितेश के खिलाफ दिशा के बारे में कथित रूप से मानहानिकारक टिप्पणी करने और गलत जानकारी फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। दिशा सलियन (28) ने 8 जून, 2020 को उपनगरीय मलाड में एक ऊंची इमारत से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी, इसके छह दिन बाद राजपूत (34) का शव बांद्रा में उनके अपार्टमेंट के कमरे में लटका पाया गया था।

पत्र में राष्ट्रपति को सूचित किया कि उनकी बेटी की मृत्यु के बाद, सोशल मीडिया पर सक्रिय कुछ लोगों ने घटना (उसकी कथित आत्महत्या) को राजपूत की मौत से जोड़ना शुरू कर दिया था और समाचार चैनल व सोशल मीडिया पर 'काल्पनिक तथा तथ्यात्मक रूप से गलत जानकारी' फैलानी शुरू कर दी थी।

कोरोना मुक्त हुई एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती, अब नहीं है कोई भी केस

मुंबई की झुग्गी बस्ती धारावी में दो साल पहले कोरोना वायरस के संक्रमण का पहला मामला सामने आया था और अब धारावी कोविड-19 से मुक्त हो चुकी है. यह क्षेत्र एक समय में कोरोना वायरस संक्रमण का 'हॉटस्पॉट' बन गया था और निषिद्ध क्षेत्र घोषित किये जाने के बाद नगर निकाय के लिए चुनौती बना हुआ था. एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती कहे जाने वाले बेहद घने इलाके धारावी में बृहस्पतिवार को संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया. बृहन्मुंबई महानगर पालिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि धारावी में अभी कोविड-19 का कोई भी मरीज उपचाराधीन नहीं है. जी-उत्तर वार्ड के सहायक निकाय आयुक्त किरण दिघवकर ने कहा कि 2020 में कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से लेकर अब तक ऐसा पहली बार हुआ है जब धारावी में कोविड का कोई मरीज उपचाराधीन नहीं है. दिघवकर ने कहा, "आज धारावी सही मायने में कोविड मुक्त हो चुका है." उन्होंने कहा कि पिछले दो सप्ताह से धारावी में संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है और उपचाराधीन सभी मरीज ठीक हो चुके हैं. उन्होंने कहा कि महामारी से पीड़ित कोई भी व्यक्ति इस समय घर पर पृथक-वास में नहीं है.

गड़चिरोलीः शराब बेचने वालों की खैर नहीं, अब भरना होगा जुर्माना

मुलचेरा (गड़चिरोली)। आदिवासी बहुल गड़चिरोली जिले में शराब बंदी कानून लागू होने के बाद भी तहसील के ग्राम कोठारी में पिछले एक माह से धड़ल्ले से शराब बेची जा रही है। गांव की कानून-व्यवस्था भंग हो रही है। गांव में एक बार फिर शराब बंदी करने के लिए अब ग्राम पंचायत ने शराब विक्रेताओं को चेतावनी दी है कि, अगर गांव में दोबारा शराब की बिक्री हुई तो उन्हें ग्राम पंचायत को 10 हजार रुपए का जुर्माना अदा करना होगा। साथ ही उनके खिलाफ पुलिस थाना में शिकायत दर्ज करने की चेतावनी भी दी गई है। कोठारी गांव में शराब बंदी दल गठित किया गया है। गांव में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है। पिछले आठ वर्ष से गांव में शराब बंदी थी। लेकिन पिछले एक माह से गांव में दोबारा शराब की बिक्री शुरू हुई। गांव में करीब 6 से 7 शराब विक्रेता सक्रिय हैं। उनके द्वारा महुआ समेत देशी व अंगरेजी शराब की बिक्री धड़ल्ले से शुरू है। शराब की बिक्री शुरू होने से अन्य गांवों के शराबी भी अब कोठारी में पहुंचने लगे हैं। शाम होते ही संबंधित शराब विक्रेताओं के घरों में शराबियों की भीड़ इकट्ठा हो जाती है

नशे में बहके कदम:मुंबई में शराब पीकर लड़कियों ने कैब पर किया कब्जा, पुलिसकर्मी से की गालीगलौज और धक्कामुक्की

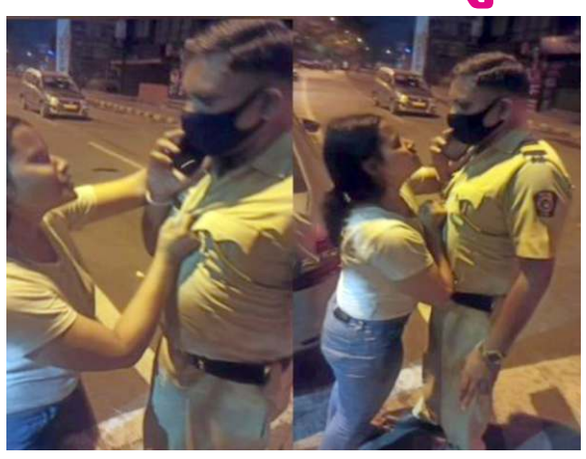

मुंबई में नशे में धुत तीन युवतियों ने बीच सड़क जमकर हंगामा किया। आरोप है कि इन्होंने ओला कार के ड्राइवर को उसकी कार से बाहर निकाला कार पर कब्जा कर लिया, उसके साथ गालीगलौज की और कार में तोड़फोड़ का प्रयास किया। यही नहीं इन्होंने मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मी संग बदसलूकी भी की है। इस मामले में तीनों के खिलाफ नशे में धुत्त होकर हंगामा करने का केस दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल तीनों पुलिस की गिरफ्त में हैं और आगे की कार्रवाई जारी है।

ओला ड्राइवर ने बनाया घटना का वीडियो

इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। इसे ओला के ड्राइवर ने खुद तैयार किया है। इसी वीडियो के आधार पर तीनों पर कार्रवाई हुई है। वीडियो के आखिर में एक युवती सड़क पर पुलिसकर्मी को गालियां देती नजर आ रही है। हालांकि, दूसरी तरफ पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी करते हुए युवती को समझाता हुआ नजर आ रहा है।

पहले भी सामने आये हैं ऐसे ही कई मामले

पहले भी इस तरह के उल्लंघन के कई मामले मुंबई में सामने आ चुके हैं। शराब पीकर सड़कों पर झगड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई के भी मुंबई पुलिस की ओर से की जाती रही है। अब देखना होगा कि मुंबई पुलिस इस मामले में क्या कार्रवाई करती है?

परमबीर सिंह केस में महाराष्ट्र सरकार को बड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट ने CBI को सौंपी मामले की जांच

सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह की तरफ से दायर मामले में सीबीआई जांच का आदेश दे दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर गौर किया. ट्रांसक्रिप्ट कोर्ट के रिकॉर्ड में हैं. ऐसे में उनका मानना है कि इस मामले में सीबीआई जांच होना उचित है, इसीलिए कोर्ट मामले में सीबीआई जांच का आदेश दे रही है.परमबीर सिंह मामले में महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. कोर्ट ने परमबीर सिंह मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है. आज कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र सरकार की तरफ से कहा गया था कि जांच के लिए राज्य सरकार की सहमति जरूरी है. वहीं सरकार की तरफ से पेश हुए वकील ने कोर्ट में ददील दी थी कि सीबीआई जांच से पुलिस का मनोबल प्रभावित होगा. वहीं वकील ने ये भी कहा था कि महाराष्ट्र सरकार CBI जांच के पक्ष में नहीं है.सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब परमबीर सिंह से जुड़े मामलों की जांच अब सीबीआई करेगी. परमबीर सिंह मामले की होगी CBI जांच मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हर मामला सीबीआई

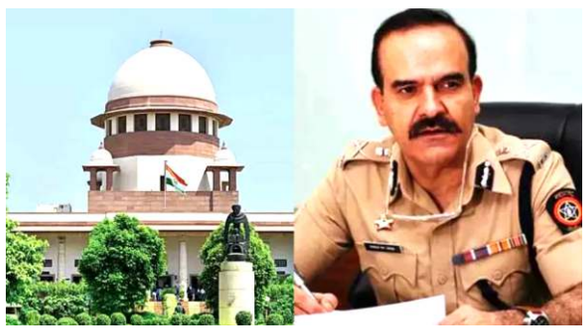

के पास जाए कोर्ट इसके पक्ष में बिल्कुल भी नहीं है. उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी पर बेवजह बोझ क्यों डाला जाए. वही सरकारी वकील ने कोर्ट से कहा था कि परमबीर सिंह कई तक महीने फरार रहता है, सुप्रीम कोर्ट से प्रोटेक्शन मिलने के बाद ही वह सामने आता है. वकील ने दलील देते कोर्ट से कहा था कि ऐसे व्यक्ति की याचिका पर मामले को स्थानांतरित करना सही नहीं है. हालांकि कोर्ट ने मामले पर बहस पूरी होने के बाद सीबीआई जांच का आदेश दे दिया है.

'CBI जांच में डाली जा रही बाधा'

जस्टिस संजय किशन कौल और एम एम सुंदरेश की बेंच ने आज मामले पर सुनवाई की. परमबीर सिंह के वकील पुनीत बाली ने पक्ष रखते हुए कहा कि एक टेलीफोनिक बातचीत है, जिसे मैंने रिकॉर्ड में रखा है. जहां एक जिम्मेदार व्यक्ति कहते हैं कि बॉम्बे हाईकोर्ट में चल रहे मामले को वापस ले लो, अपने राजनीतिक आकाओं के साथ मत खेलो. मैंने तुरंत ये बात सीबीआई के सामने रखी और उन्हें बताया कि उनकी जांच में बाधा डाली जा रही है. वही सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच सीबीआई को दे दी है.

विधायकों से पहले कोरोना योद्धाओं को दें घर", BJP विधायक राम कदम की ठाकरे सरकार को सलाह

महाराष्ट्र में विधायकों से पहले कोविड योद्धाओं को घर देने की मांग उठ रही है. बीजेपी प्रवक्ता और विधायक राम कदम ने ठाकरे सरकार से मांग की है की 300 घर जो मुंबई में सरकार म्हाडा के माध्यम से मुंबई और एमएमआर क्षेत्र के बाहर के विधायकों के किए बनाने वाली हैं वे घर पहले कोविड में जिन योद्धाओं ने जान गंवाई हैं उन्हें दिए जाए. ऐसी मांग भाजपा विधायक राम कदम ने की है. कदम के अनुसार, "सरकार अपनी प्राथमिकता पहले तय करे और कोविड योद्धा, जिन्होंने अपनी जान लोगों की सेवा करते हुए गंवाई और अब उनके परिवार के पास कोई छत नहीं है ऐसे परिवारों को मुफ़्त घर देने चाहिए". कदम ने आगे कहा कि मैं ये भी बताना चाहता हूं कि हम विधायकों को घर देने के ख़िलाफ़ नहीं हैं, लेकिन पहले घर डॉक्टर, नर्स, बीएमसी स्टाफ़ जिन्होंने आपनी जान कोविड में गंवाई उन्हें दिये जाए". को गृहनिर्माण के विषय चर्चा करते वक्त मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने ये ऐलान किया था कि जो विधायक मुंबई में या फिर एमएमआर क्षेत्र से चुनकर नहीं आए हैं, ऐसे विधायकों के लिए 300 घर म्हाडा बनायगी. ये घर उन्हें ख़रीदने पड़ेंगे.

महाराष्ट्रः पूर्ण क्षमता के साथ खुलेंगे कक्षा पहली से नौवीं के स्कूल

मुंबई। प्रदेश सरकार ने कक्षा पहली से नौवीं और कक्षा 11 वीं के स्कूलों को पूर्ण क्षमता के साथ खोलने के लिए कहा है। स्कूलों में प्रति दिन 100 प्रतिशत विद्यार्थियों को उपस्थित रहने की अनुमति दी गई है। गुरुवार को सरकार के स्कूली शिक्षा विभाग ने इस संबंध में शासनादेश जारी किया है। इसके अनुसार स्कूलों को अप्रैल महीने में हर शनिवार को पूरे समय तक स्कूल शुरू रखना पड़ेगा। जबकि रविवार को ऐच्छिक रूप में स्कूल शुरू रखा जा सकेगा। सरकार ने राज्य के स्कूलों को कक्षा 1 वीं से 9 वीं तक तथा कक्षा 11 वीं की परीक्षा अप्रैल महीने के तीसरे सप्ताह में आयोजित करने के लिए कहा है। विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम मई महीने में घोषित करना होगा।

नांदूराः आत्महत्या करने वाले किसानों के परिवारों को मदद का हाथ

नांदूरा. नाम फाउंडेशन यह किसान परिवार के दुःख में आधार देने वाली एवं वे अकेले नहीं, यह विश्वास देने वाली संस्था हैं, ऐसा प्रतिपादन मंगेश भारसाकले विदर्भ खान्देश के समन्वयक ने किया, हरिश इथापे के मार्गदर्शन में मदद के हर परिवार को 25 हजार का धनादेश दिया गया, कुल 2 लाख 25 हजार रूपए के धनादेश का वितरण उक्त किसान परिवार को किया गया। नाम फाउंडेशन विदर्भ खान्देश प्रमुख हरिश इथापे के मार्गदर्शन में मंगेश भारसाकले ने सानुग्रह राशि वितरण कार्यक्रम आयोजित किया था। नांदूरा स्थानीय ओम साई सामाजिक संस्था कार्यालय यहां आयोजित इस कार्यक्रम में नाम द्वारा पहले चरण में बुलढाणा जिले के मलकापुर एवं मोताला तहसील के कुल नौ आत्महत्या ग्रस्त किसान परिवार को प्रत्येकी 25 हजार रूपए का धनादेश दिया गया।

मुफ्त में शो करो वरना होगी तोड़फोड़! BMC कमिश्नर के भाई की सिंगर सोनू निगम को धमकी, बीजेपी विधायक का दावा

मुंबई: महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक अमित साटम ने विधानसभा में दावा किया कि गायक सोनू निगम ने शिकायत की है कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) आयुक्त आई एस चहल के एक 'रिश्तेदार' ने उनसे नि:शुल्क शो आयोजित करने को कहा है और ऐसा नहीं करने पर उन्हें नोटिस भेजा जाएगा तथा तोड़फोड़ की गतिविधि को अंजाम दिया जाएगा। विपक्षी दल के विधायक ने राज्य सरकार से मामले में कार्रवाई की मांग की है। साटम ने विधानसभा में कहा, 'सोनू निगम ने शिकायत दी है

कि चहल के भाई राजिंदर, सोनू निगम को नि:शुल्क शो आयोजित करने को कह रहे हैं। ऐसा न करने पर उनके घर नोटिस भेजा जाएगा और तोड़फोड़ की गतिविधि को अंजाम दिया जाएगा। इसलिए, सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए और राजिंदर और इकबाल सिंह चहल के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।' विधानभवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान भाजपा विधायक ने आरोप को दोहराया। उन्होंने कहा, 'आई एस चहल के चचेरे भाई राजिंदर ने सोनू निगम से कुछ शो मुफ्त में करने का अनुरोध किया। लेकिन गायक ने मना किया तो उन्हें फोन पर अपशब्द कहे गये और धमकाया गया।' फ़िलहाल बीएमसी कमिश्नर के ऊपर सरकार कोई कार्रवाई करेगी या नहीं इस पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

मां को पीटते देख बेटे ने पिता के सिर पर किया हथौड़े से वार, मौके पर ही मौत

मुंबई की एक चॉल में रहने वाले 16 वर्षीय बच्चे ने अपने ही पिता की हत्या कर दी. पुलिस के मुताबिक आरोपी नाबालिग का पति अक्सर शराब के नशे में उसकी मां के साथ मारपीट किया करता था. पुलिस ने कहा कि एक 46 वर्षीय व्यक्ति की उसके 16 वर्षीय बेटे ने कथित तौर पर हत्या कर दी थी, जब युवक ने नशे में धुत व्यक्ति को अपनी मां के साथ मारपीट करते देखा था. पुलिस अधिकारियों ने कहा कि 45 वर्षीय महिला, जो मामले में शिकायतकर्ता है, ने पुलिस को बताया कि हत्या कई वर्षों से अपने दो बेटों के सामने अपने पति के हाथों बार-बार किए गए दुर्व्यवहार का परिणाम है.

पुलिस ने बताया कि घटना बुधवार की रात करीब साढ़े आठ बजे उनके किराए के आवास पर हुई, उन्होंने कहा कि युवक जब घर लौटा तो उसने अपनी मां को पिता द्वारा प्रताड़ित होते देखा. महिला ने अधिकारियों को बताया कि उसके पति ने दोनों हाथों से उसकी गर्दन पकड़ ली थी और उसका सिर दीवार पर पटक रहा था. प्राथमिकी के अनुसार, युवक ने मारपीट को रोकने की कोशिश की लेकिन उसके पिता ने उसे धक्का दे दिया और महिला को पीटना जारी रखा. इसके बाद नाबालिग ने हथौड़ा उठाया और पिता के सिर पर वार कर दिया. वह आदमी फर्श पर गिर गया और चाकू उठाने की कोशिश की. हालांकि, युवक ने पिता के हाथ से चाकू छीन लिया और उसकी गर्दन पर वार कर दिया. यह देख मां फर्श पर गिर पड़ी.

नाबालिग से छेड़खानी, आरोपी को 7 साल सश्रम कारावास

अकोला। बार्शिटाकली पुलिस थानांतर्गत नाबालिग बालिका को रास्ते में रोक कर उसके साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में दाखिल अपराध में आरोपी निलेश भिमराव हिवराले (35) पर विद्यमान विशेष जिला न्यायाधीश श्री.वी.डी.पिंपलकर के न्यायालय में दोषारोप पत्र रखा गया था। पीडिता के पिता ने 9-8-2014 को इस मामले में शिकायत दी थी। प्रकरण में सरकार पक्ष की ओर से 6 गवाहों को पेश किया गया। गवाहों के साक्ष्य और सबूतों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए धारा 354 अ में 3 वर्ष सश्रम कारावास व 5000 रूपए जुर्माना, जुर्माना न भरने पर 3 माह कैद, धारा 506 (2) के तहत 7 वर्ष सश्रम कारावास 5000 रूपए जुर्माना, जुर्माना न भरने पर 3 माह की कैद, पोक्सो कानून की धारा 11-12 में 3 वर्ष सश्रम कारावास व 5000 रुपए जुर्माना, जुर्माना न भरने पर 3 माह की कैद की सजा सुनाई। सभी सजाएं आरोपी को एक साथ भुगतनी होगी (अधिकतम सजा 7 साल) जुर्माने की कुल राशि 15000 आरोपी से वसूल होने पर आधी राशि पीडिता व आधी राशि शासन को जमा करने के आदेश न्यायालय ने दिए हैं।

शिवसेना नेता प्रताप सरनाईक पर ED की कार्रवाई, अटैच की 11 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी

प्रवर्तन निदेशालय ने नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड में 5,600 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी में शिवसेना नेता प्रताप सरनाइक की 11.35 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है. उन्होंने कहा कि कुर्क की गई संपत्तियों में ठाणे, महाराष्ट्र में दो फ्लैट और एक जमीन शामिल है. केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि NSEL के डिफॉल्टरों में से एक आस्था ग्रुप ने 2012-2013 के बीच विहंग आस्था हाउसिंग प्रोजेक्ट एलएलपी को 21.74 करोड़ रुपये डायवर्ट किए. इसमें से 11.35 करोड़ रुपये विहांग एंटरप्राइजेज और विहंग इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित किए गए, जिसका नियंत्रण सरनाइक और उनके परिवार के पास है. आस्था समूह पर एनएसईएल का 242.66 करोड़ रुपये बकाया है. ईडी ने एक बयान में कहा, "मनी ट्रेल, जांच और पहचान के आधार पर, ठाणे, महाराष्ट्र में 2 फ्लैटों और भूमि के एक टुकड़े की संपत्ति कुल रु. 11.35

करोड़ को पीएमएलए 2002 के तहत प्रताप सरनाइक के थे, को अनंतिम रूप से कुर्क किया गया है. एजेंसी ने कहा कि शेष 10.50 करोड़ रुपये आस्था समूह से प्राप्त हुए, योगेश देशमुख नाम के एक व्यक्ति को भुगतान किया गया था और धन पहले ही ईडी द्वारा संलग्न किया जा चुका है. इससे पहले इस मामले में 3,242.67 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है. इस मामले में कुल कुर्क संपत्तियों का मूल्य अब 3,254.02 करोड़ रुपये है. ईडी की जांच एनएसईएल के खिलाफ 2013 में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में दर्ज एक मामले पर आधारित है. ईडी ने कहा, "इस मामले में, आरोपी व्यक्तियों ने निवेशकों को धोखा देने के लिए एक आपराधिक साजिश रची, उन्हें एनएसईएल के मंच पर व्यापार करने के लिए प्रेरित किया, फर्जी गोदाम रसीद जैसे जाली दस्तावेज बनाए, खातों में फर्जीवाड़ा किया और इस तरह 5,600 करोड़ रुपये के बंध में आपराधिक विश्वासघात किया."

अकोलाः विशेष दल का जुआ अड्डे पर छापा, 6 पकड़े

अकोला. तिलक रोड पर स्थित आकार काम्पलेक्स के पीछे अलंकार मार्केट में चल रहे वरली मटका व जुआ खेलने वालों पर जिला पुलिस अधीक्षक के विशेष पुलिस दल ने छापा मारकर 6 लोगों पर कार्रवाई की। विशेष पुलिस दल के प्रमुख विलास पाटील को खुफिया जानकारी मिली कि अलंकार मार्केट परिसर में कुछ लोग पैसे की हारजीत पर वरली मटका जुआ खेल रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर पुलिस निरीक्षक पाटील ने अपने दल के साथ मौके पर छापा मारा। इस कार्रवाई में रविंद्र विजय तेलंगडे(48) निवासी पुराना शहर, राजेश जगदीश पाठक (62) निवासी पुराना शहर, विट्ठल गोपाल सापधारे (30) निवासी हाता अंदूरा, प्रकाश लक्ष्मण बुंदेले (60) निवासी माता नगर, संतोष परशराम जाधव (40) गायत्री नगर, मुख्तार खान बशीर खान (44) निवासी खैर मो.प्लाट अकोला पुलिस के हत्थे चढ़े।

अहंकार रहित रावण

गाड़ी भी जाएगी और पत्नी जिसे तुम घोड़ी पर लाये हो वह भी चली जाएगी, एक दिन ऐसी स्थिति बन जाएगी कि जो लोग आपकी हर हरकत की तारीफ कर रहे थे, वे आपकी उपेक्षा करेंगे। यह किस्मत का खेल है जो राजा को रैंक देता है। यह खेल है अहंकार की जीत और हमारे विचारों की हार का।

सफलता लगभग सभी के जीवन में आती है, चाहे वह बड़ी हो या छोटी, एक बार या बार-बार आती है; लेकिन वह कभी अकेली नहीं आती, वह बिना कहे भी अपने साथ अहंकार ले आती है।

अहंकार के आगमन को समझें।

सफलता के साथ आप दूसरों से ज्यादा महत्वपूर्ण महसूस करने लगते हैं। आपको लगने लगता है कि आपका नजरिया दूसरों से बेहतर है। दूसरे लोगों के विचार आपके लिए सिर्फ धूल हैं। तथ्य यह है कि आपके विचारों की दिशा आपके अहंकार द्वारा नियंत्रित होती है। आज नहीं तो कल आप गलती जरूर करेंगे, क्योंकि आपके अहंकार ने आपकी आंखों पर पट्टी बांध दी है। आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि आपको क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, और न ही आपको किसी परिणाम का मूल्यांकन करने का प्रयास करना चाहिए। आप वही करते हैं जो आपको सही लगता है।

अहंकार की शक्ति को समझें

अहंकार हमारी दृष्टि और विचारों को संकुचित कर देता है। अहंकार परिवर्तन का विरोध करता है। यह हमारी क्षमताओं की एक तस्वीर पेश करता है। आप यह मानेंगे कि केवल आप ही सब कुछ पूरी तरह से कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप आप छोटे से छोटे काम को भी खुद करने की प्रवृत्ति रखेंगे। नतीजतन, आप अपने लक्ष्य से खुद को विचलित कर देंगे।

जब सबसे बुद्धिमान और शक्तिशाली चरित्र रावण भी अपने अहंकार से हार गया, तो आप और मेरे जैसे लोग अभी भी बहुत छोटे हैं। यदि रावण अपने अहंकार से धोखा नहीं खाता, तो वह सीता का हरण नहीं करता। और अगर किसी कारण से उनके और राम के बीच युद्ध होता, तो रामायण के एपिसोड अब तक जारी रहते। क्योंकि उसके विचार उसके वश में थे न कि उसके अहंकार के वश में। उन्होंने अपने शुभचिंतकों की बात सुनी होगी, उन्होंने अपने लोगों की भलाई के लिए निर्णय लिए होंगे, इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने नैतिकता और सिद्धांतों का पालन किया होगा।

अहंकार के खतरनाक प्रभावों से बचने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

सराहना अहंकार का प्रेम है। मजा तब आता है जब दुनिया हमारे काम की सराहना करती है, कोई भी हमारे अपने काम की सराहना कर सकता है। हमेशा आत्म-प्रशंसा, अहंकार का प्रवाह दिखा रहा है। दूसरों के काम की सराहना करें।

जरूरी नहीं कि दूसरे वही करें जो आपने किया है, हो सकता है कि कोई आपसे बेहतर कर सके। आपने जो किया उससे बेहतर करने के बारे में सोचें। अपने पैरों को जमीन पर रखना सीखें।

दूसरों की राय खुले दिमाग से सुनें। शायद आप कुछ नया सीखेंगे। हो सकता है कि गलती करने से पहले आप जाग जाएं। दूसरों के साथ बातचीत करते समय आपके अलग-अलग विचार हो सकते हैं। अधिक सुनें और कम बोलें, केवल वही बोलें जो महत्वपूर्ण है। दूसरों को भी बोलने दो। जब आप बोलते हैं, तो आप वही बोलते हैं जो आप जानते हैं, और जब आप सुनते हैं, तो आप अपना ज्ञान बढ़ाते हैं।

अपने ज्ञान और अनुभव को दूसरों के साथ साझा करें। आप आने वाली पीढ़ी को कुछ अच्छा दे सकते हैं। उन्हें सही रास्ता दिखाने के लिए वे आपको हमेशा याद रखेंगे।

किसी का अपमान मत करो। हर कोई गलती करता है, आप भी गलती करते हैं। दूसरों को माफ कर देना और उन्हें सही दिशा दिखाना एक सज्जन की आदत होती है। सक्रिय रूप से दिशा दिखाना एक महान व्यक्तित्व की आदत है ताकि वे गलतियाँ करने से बच सकें।

जब रावण पर अहंकार की जीत हुई, तो उसका विनाश निश्चित था। अहंकार को अपने अद्भुत व्यक्तित्व को नष्ट न करने दें, जिसे विकसित करने में आपको वर्षों लगे हैं। अपनी मृत्यु से पहले, रावण ने भी पश्चाताप किया और राम से क्षमा मांगी।

सच्चा दशानन्द वही है जो क्रोध, लोभ, काम, आलस्य, राग, द्वेष, क्रूरता, अन्याय, स्वार्थ और अहंकार से मुक्त हो जाता है।

बढ़ते तापमान के साथ इन चीजों का करें सेवन, पेट की समस्याएं होंगी दूर

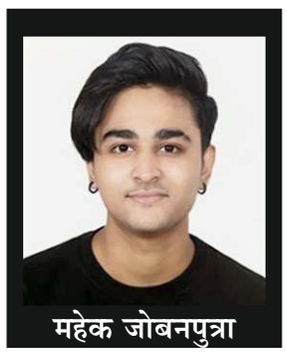

गर्मियों का मौसम आते ही कई तरह की शारीरिक समस्याएं बढ़ने लगती हैं। गर्मियों में तापमान बढ़ने पर शरीर में पानी की मात्रा कम होने लगती है। थोड़ी सी लापरवाही के कारण डिहाइड्रेशन, उल्टी, दस्त, चक्कर आना और कमजोरी आदि होने लगती हैं। वहीं गर्मियों में मसालेदार या तला भुना खाने से शरीर का पाचन तंत्र भी बिगड़ने लगता है। इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है,

जिससे बैक्टीरिया या वायरस का खतरा बढ़ जाता है। इन कारणों से भी गर्मी में लोगों को पेट दर्द, गैस, पेट में संक्रमण, एसिडिटी, लूज मोशन और उल्टी जैसी पाचन से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं। अधिकतर लोगों को गर्मी में एसिडिटी और गैस की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ गर्मी के दिनों में भरपूर पानी के सेवन की सलाह देते हैं, ताकि पानी शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकाल सके। डिहाइड्रेशन की समस्या भी न हो। हालांकि पानी के अलावा भी गर्मी में कुछ चीजों का सेवन लाभकारी है। कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिनका सेवन करने से शरीर में पानी की कमी दूर होती है, साथ ही शरीर को ठंडक मिलती है।

गर्मियों के फायदेमंद खाद्य पदार्थ

खीरा-पपीता

ताजे फलों का सेवन हर मौसम में शरीर के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि गर्मियों में तापमान बढ़ने पर खीरा और पपीता खाने से शरीर को ठंडक मिलती है और पानी की कमी पूरी होती है। पपीता और खीरा में भरपूर फाइबर पाया जाता है। इनके सेवन से पेट को ठंडक मिलती है। ये पित्त को बैलेंस करके शरीर का पीएच भी स्वस्थ रखते हैं। अगर गर्मियों में आप गैस या एसिडिटी की समस्या होती है तो भी खीरे और पपीते का सेवन लाभदायक होता है।

नारियल पानी

शरीर के लिए नारियल पानी बहुत फायदेमंद है। नारियल पानी में भरपूर मात्रा में न्यूट्रिशन पाया जाता है, जो शरीर में पानी की कमी को दूर करता है। इसके सेवन से पारा अधिक बढ़ने पर शरीर को अंदरूनी ठंडक भी मिलती है। नारियल पानी में बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने के भी गुण होते हैं। इसमें फाइबर का गुण भी होता है, जो पाचन को दुरुस्त रखता है।

खरबूजा

खरबूजा गर्मियों का मौसमी फल है। खरबूजे का सेवन पेट के लिए फायदेमंद होता है। खरबूजे में एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर एसिड रिफ्लक्स के गुण होते हैं। इसके सेवन से शरीर में कई तरह के आवश्यक तत्वों की पूर्ति होती है। वहीं गर्मी के कारण शरीर में पानी की कमी को भी खरबूजा दूर करता है। गैस और एसिडिटी की समस्याओं से भी निजात मिलता है।

केला

गर्मी बढ़ने पर रोजाना एक पका हुआ केला जरूर खाना चाहिए। केले का सेवन शरीर के लिए फायदेमंद होता है। केले में आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम और फाइबर के गुण होते हैं।

फाइबर पाचन संबंधी समस्या को दूर करता है, तो वहीं पोटेशियम एसिडिटी को नियंत्रित करता है।

दही या ठंडा दूध

गर्मियों में रोजाना दही का सेवन करना शरीर के लिए फायदेमंद हो सकता है।

दही में भरपूर फाइबर होता है, जो पेट की सेहत और डाइजेशन को बेहतर बनाता है। एसिडिटी और बदहजमी की समस्या भी दही के सेवन से दूर हो जाती है। वहीं ठंडा दूध पीने से पेट को ठंडक मिलती है।

इससे जलन, एसिडिटी की परेशानी नहीं होती। ठंड दूध का मतलब सादा दूध पीए, न की फ्रिज में रखा दूध पीएं।

जानिए क्या है डिप्रेशन, इसके लक्षण और इलाज

एक पुरानी कहावत है कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन बसता है। लेकिन क्या आपने इस बात पर गौर किया है कि मन स्वस्थ हो तो तन को भी स्वस्थ रहने में मदद मिलती है। यानी ये दोनों चीजें एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। जबकि अक्सर यह होता है कि मन की सेहत को लेकर या तो हम उदासीन रवैया अपना लेते हैं या फिर इसे शर्मिंदगी बनाकर छुपाने लगते हैं। जिस तरह बुखार आने पर दवाई लेकर समस्या पर काबू पाया जाता है, उसी तरह मन के बीमार होने पर भी इलाज लेना जरूरी है। हम भारतीयों में खासकर मानसिक स्थितियों को लेकर बहुत सारी भ्रांतियां हैं। किसी भी दिमागी स्थिति को हम सीधे पागलपन का खिताब दे देते हैं, अंधविश्वास के चलते झाड़-फूंक करवा लेते हैं लेकिन

सायकायट्रिस्ट या काउंसलर के पास जाने से डरते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि दिमागी समस्याओं को हम बीमारी मानते ही नहीं। इन्हें वहम मानकर चलते हैं। डिप्रेशन जैसी स्थितियां जो सही इलाज से बिल्कुल सामान्य हो सकती हैं, वे बिगड़ कर गम्भीर स्तर तक पहुंच जाती हैं। देश के बड़े भाग में आज भी सायकायट्रिस्ट या काउंसलर के पास जाना क्या उनका नाम लेना भी अच्छा नहीं माना जाता। डिप्रेशन की स्थिति में भी ऐसा ही होता है।

डिप्रेशन का इलाज चाहिए:

डिप्रेशन की समस्या नई नहीं है। लेकिन इस समस्या को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लोगों को लगता है इसे तूल देने की क्या जरूरत, बस इसकी तरफ से ध्यान हटा दो, ये ठीक हो जायेगा। क्योंकि डिप्रेशन विप्रेशन कुछ नहीं होता। रिसर्च यह साबित कर चुकी हैं कि यदि डिप्रेशन की स्थिति को समझते ही मरीज को इलाज मिल जाये तो आत्महत्या जैसी घटनाओं को बड़े पैमाने पर रोका जा सकता है। लेकिन होता अक्सर इसका उल्टा है। वर्तमान में कुछ प्रतिशत लोग इस समस्या को लेकर जागरूक तो हुए हैं लेकिन वे भी कई सारी भ्रांतियों में जकड़े हुए हैं। इसलिए जरूरी है कि सही जानकारी रखें और असमंजस में न पड़ें। इन कुछ बातों का ध्यान रखें।

डिप्रेशन कल्पना नहीं है:

असल में यह सच्चाई से बचने का बहाना भर है। जबकि सच यह है कि डॉक्टर जब ब्रेन की स्कैनिंग करते हैं तो डिप्रेशन के मरीजों में नर्व्स तक सिग्नल्स जाने वाले ब्रेन के कैमिकल्स असंतुलित दिखाई देते हैं। इसलिए डिप्रेशन को कल्पना मानकर खारिज न करें। व्यस्तता कई बार डिप्रेशन के मामले में मददगार साबित हो सकती है। खासकर किसी रचनात्मक कार्य में व्यस्तता। लेकिन जरूरत से अधिक व्यस्तता भी मुश्किल खड़ी कर सकती है।

शरीर को रखना चाहते हैं फिट और वजन को कंट्रोल? रात में बिल्कुल न करें इन तीन चीजों का सेवन

कई तरह की बीमारियों से बचाव के लिए वजन को नियंत्रित रखना बहुत आवश्यक माना जाता है। अधिक वजन या मोटापे की समस्या हृदय रोग, डायबिटीज जैसी जानलेवा बीमारियों के जोखिम को कई गुना तक बढ़ा देती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक जीवनशैली और आहार संबंधित गड़बड़ी के कारण लोगों का वजन तेजी से बढ़ने लगता है। इस पर कंट्रोल करने के लिए भोजन में पौष्टिक चीजों को शामिल करने और अस्वास्थ्यकर-फास्ट फूड से दूरी बनी लेनी चाहिए। मोटापे के खतरे को कम करने के लिए विशेषकर रात के समय भोजन पर विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता होती है, क्योंकि रात में मेटाबॉलिज्म रेट कम होता है। आहार विशेषज्ञों के मुताबिक शरीर के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए डिनर में स्वस्थ चीजों को शामिल करना बहुत आवश्यक है। इसके अलावा रात के समय कुछ चीजों के सेवन से परहेज किया जाना चाहिए, ये आपके वजन को तेजी से बढ़ा सकती हैं। वजन को नियंत्रित रखकर आप स्वस्थ बने रह सकते हैं। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि रात में किन चीजों के सेवन से परहेज करके वजन को कंट्रोल किया जा सकता है?

प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें

स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों के सेवन से परहेज करने की सलाह दी जाती है। विशेषकर रात के समय में इनका सेवन आपके वजन को तेजी से बढ़ा सकता है। अध्ययनों में प्रोसेस्ड मीट जैसी चीजों के सेवन को कई तरह की बीमारियों के कारक के तौर पर माना जाता है। यह उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और मोटापा जैसी स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकती है। प्रोसेस्ड मीट में उच्च मात्रा में ट्रांस फैट और सोडियम की मात्रा है और यह कैलोरी से भरपूर होता है, जिससे वजन बढ़ाने का जोखिम काफी बढ़ जाता है।

आइसक्रीम बढ़ा सकती है आपका वजन

रात के खाने के बाद लोगों को अक्सर कुछ मीठा खाने की तलब होती है,

इसके लिए अक्सर आइसक्रीम जैसी चीजों के सेवन को काफी ट्रेंडी माना जाता है, पर स्वास्थ्य के लिहाज से यह आदत आपके लिए मुश्किलें बढ़ा सकती है। आइसक्रीम जैसे डेसर्ट आपके वजन को तेजी से बढ़ावा दे सकते हैं। आइसक्रीम में वसा और कृत्रिम शर्करा की मात्रा अधिक होती है, ऐसे में रात के समय इसका सेवन आपके वजन को नियंत्रित करने के लक्ष्य को बिगाड़ सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह शुभ कार्यों से भरा रहेगा। किसी विशेष व्यक्ति से भेंट होगी जो आपके कार्य को आगे बढ़ाने में सहायता करेगा। पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक क्षेत्र में उन्नतिदायक सप्ताह रहेगा। संबंधों को खुलकर जिएं। आज में जिएं और हर पल का आनंद लें। स्वास्थ्य को लेकर छोटी-मोटी परेशानी आ सकती है। दांपत्य जीवन सामान्य रहेगा।

वृषभ : स्वास्थ्य को लेकर इस सप्ताह थोड़ा सतर्क रहना होगा। कोई पुराना रोग, हड्डी के रोग, कमर या पीठ दर्द की समस्या से जूझेंगे। आर्थिक मामलों के लिए सप्ताह उत्तम है। कोई बड़ा आर्थिक कार्य पूरा हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा। दांपत्य और प्रेम जीवन को महत्व और समय दें। कार्यों को कल पर न टालें। धार्मिक आध्यात्मिक कार्यों में मन लगेगा।

मिथुन : कार्य शिथिल होंगे। किसी काम में मन नहीं लगेगा। आलस्य छाया रहेगा। उत्तम यही होगा किकुछ समय कार्यों को विराम देकर आराम करें। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आर्थिक समस्याएं हल होंगी। व्यापारियों का कार्य सामान्य गति से चलेगा। नौकरीपेशा को भी स्थिरता का अनुभव होगा। पुराने निवेश से लाभ प्राप्त होगा। किसी पुराने मित्र से भेंट होगी।

कर्क : इस सप्ताह मन थोड़ा विचलित रहेगा। कुछ आर्थिक हानि होने की आशंका है। प्रॉपर्टी संबंधी कार्यों को करते समय सावधानी रखें। नया कार्य इस सप्ताह प्रारंभ न करें तो ही ठीक रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उच्चाधिकारियों से अनबन रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा लेकिन खानपान का ध्यान रखें।

सिंह : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पुराने रोगों से राहत मिलेगी। खर्च में कमी आएगी, बचत होगी। आर्थिक कार्यों को गति मिलेगी। यदि कोई कार्य अब तक धन के अभाव में अटका हुआ था तो वह अब पूरा होने की आसार हैं। परिवार के मांगलिक प्रसंग में शामिल होने का अवसर आएगा। संतानपक्ष को सम्मान प्राप्त होगा।

कन्या : परिवार में सामंजस्य बनाकर रखना होगा। अपने व्यवहार और स्वभाव में मधुरता लानी होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा लेकिन ध्यान रखें शेयर या बीमा में नया निवेश फिलहाल न करें। नौकरीपेशा लोगों को उच्चाधिकारियों से प्रताड़ना मिल सकती है। व्यापारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। नया कार्य प्रारंभ करने के लिए समय उत्तम है।

तुला : शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। स्वयं को ऊर्जावान महसूस करने के लिए अच्छे और सकारात्मक विचारों वाले व्यक्तियों से संपर्क में रहें। आर्थिक समस्या सामने हैं, उसका समाधान परिवार के सहयोग से निकलेगा। इस राशि के महिलाओं को परिवार में अनबन रहेगी। नौकरीपेशा लोग तनाव में रहेंगे,

वृश्चिक : अपने कार्य और निजी जीवन में संतुलन बनाकर रखना होगा। संतानपक्ष के कार्यों पर नजर रखें। विद्यार्थी वर्ग फोकस अपनी पढ़ाई पर रखें। किसी पुराने पारिवारिक मित्र से भेंट होगी। कार्यों को साझेदारी में करना लाभप्रद रहेगा। प्रेम और दांपत्य जीवन में आपके प्रयासों को सराहा जाएगा। नया कार्य प्रारंभ करने के लिए सप्ताह उत्तम है।

धनु : संबंधों का भरपूर लाभ उठाने का प्रयास करें। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह उत्तम है। सभी ओर से लाभ प्राप्त होंगे। इस सप्ताह जो कार्य करेंगे उसमें लाभ की स्थिति बनेगी। मानसिक शांति और मजबूती अनुभव करेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धन की आवक होगी और बचत भी होगी। नया कार्य प्रारंभ करें। विशेषकर साझेदारी में काम करने से लाभ होगा।

मकर : आर्थिक लाभ के लिए किए गए सारे प्रयास इस सप्ताह सफल होंगे। एक से अधिक कार्यों से लाभ प्राप्त होगा। भूमि, संपत्ति, वाहन खरीदने के योग बनेंगे। पारिवारिक सुख और सहयोग प्राप्त रहेगा। माता-पिता के सहयोग से बड़े संकटों से छुटकारा मिलेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। अविवाहितों के विवाह का योग बन सकता है।

कुंभ : आर्थिक संकट दूर होगा। परिवार या मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी परियोजना को पूर्ण करने में सफल होंगे। धन का आगमन एक से अधिक मार्गों से होगा। अटके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्राएं होंगी। परिवार में मांगलिक प्रसंग आएंगे। नवविवाहितों को संतानसुख प्राप्त होगा।

मीन : सप्ताह शुभ समाचारों से भरा रहेगा। मान-सम्मान, प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। वैवाहिक जीवन सुखमय होगा। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा के कार्यों को सराहना मिलेगी, साथ ही उच्चाधिकारियों से थोड़ी अनबन भी हो सकती है। व्यापारी वर्ग लाभ की स्थिति में रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान और मजबूत अनुभव करेंगे।

टीचर: एक्टिव वाइस और पैस्सिव वाइस में क्या फर्क होता है?

स्टूडेंट (एक्टिव वाइस) : तेरे मस्त-मस्त दो नैन, मेरे दिल का ले गए चैन

स्टूडेंट (Passive Voice): मेरे दिल का ले गए चैन, तेरे मस्त-मस्त दो नैन

पप्पू का पांव केले के छिलके पर पड़ा और वो फिसल कर गिर गया...!

पप्पू उठा और फिर आगे चला, तो दूसरे छिलके में पांव पड़ा और फिर फिसल कर गिर गया...!

पप्पू फिर उठा और थोड़ा आगे और चला, तो उसे तीसरा छिलका दिख गया...!

पप्पू रोते- रोते बोला - धत तेरे की, अब फिर से फिसलना पड़ेगा...!

टीचर -- संसार में सबसे ज्यादा भाषाएँ जानने वाला आदमी कौन है?

छात्र -- योगी आदित्यनाथ।

टीचर -- वो कैसे?

छात्र -- मैंने उन्हें कई बार कहते सुना है कि

जो जिस भाषा में समझना चाहता है उसे उसी भाषा में समझाऊँगा।

बाबा बड़े दयालु हैं.

झारखंड-बिहार बॉर्डर पर गंगा नदी में पत्थरों से लदे जहाज का बैलेंस बिगड़ा, 10 लोग नदी में गिरे

झारखंड के साहिबगंज और बिहार के कटिहार जिले के मनिहारी घाट के बीच गंगा नदी में एक मालवाहक जहाज अनियंत्रित हो गया। जहाज पर करीब 16 ट्रकों में स्टोन (पत्थर) लोड था। इसके साथ ही सभी ट्रकों के ड्राइवर और हेल्पर भी जहाज में सवार थे। हादसे में जहाज के कैप्टन दल के सदस्यों और ट्रकों के ड्राइवर-खलासी सहित 10 लोगों के डूबने की आशंका है। अब तक सभी लोग लापता बताए जा रहे हैं।

IAS नियाज खान को MP सरकार ने भेजा शो-कॉज नोटिस

मध्य प्रदेश सरकार ने फिल्म द कश्मीर फाइल्स पर ट्वीट करने की वजह से IAS अधिकारी नियाज खान को शो-कॉज नोटिस जारी किया है। खान ने ट्वीट कर लिखा था कि फिल्म में जिस तरह कश्मीरी पंडितों का दर्द दिखाया गया है, उसी तरह अब प्रोड्यूसर्स को देश में मुसलमानों की हत्याओं पर भी फिल्म बनानी चाहिए। मुसलमान कोई कीड़े-मकोड़े नहीं बल्कि इंसान और इस देश के नागरिक हैं> सरकार ने खान को 7 दिन के भीतर जवाब देने के लिए कहा है।

बीरभूम हिंसा मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में हुई हिंसा का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने शीर्ष अदालत एक याचिका दायर कर मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। अपनी याचिका में विष्णु गुप्ता ने कहा कि स्थानीय अधिकारी राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के प्रभाव के चलते इस भयानक वारदात के असली मुजरिमों को बचाने के प्रयास में लगे हैं। इधर, बीरभूम हिंसा मामले में केंद्रीय एजेंसियों से जांच की मांग वाली याचिका पर कलकत्ता हाईकोर्ट आज फैसला सुनाएगा। फिलहाल इस मामले की जांच SIT कर रही है।

तालिबानी आतंकियों ने पाकिस्तानी सेना पर किया हमला, 4 सैनिक मारे गए

तालिबानी आतंकियों ने पाकिस्तानी सेना पर गोलीबारी की, जिसमें 4 पाकिस्तान में चार सैनिक मारे गए। हमला उत्तरी वजीरिस्तान के सीमावर्ती कस्बे हसन खेल में हुआ। पाकिस्तानी सेना के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तानी तालिबान ने ली है। ये सभी आतंकवादी अफगानिस्तान से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश कर रहे थें।

दिल्ली में MCD चुनाव पर केजरीवाल बोले- चुनाव रोकने के लिए PMO ने स्टेट इलेक्शन कमीशन को फोन किया

दिल्ली में MCD चुनाव को लेकर एक बार फिर दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल के गुरुवार को कहा कि दिल्ली नगर निगम (MCD) चुनाव टालने के लिए PMO के तरफ से स्टेट इलेक्शन कमीशन को फोन किया गया था। केजरीवाल ने कहा, 'यह दुनिया में कहीं नहीं हुआ होगा कि प्रधानमंत्री सीधे कॉल कर और निर्वाचन आयोग को पत्र लिख चुनाव टलवा रहे हों। भाजपा चुनाव नहीं चाहती है। भाजपा नेताओं ने MCD में लूट के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।'

प्रशांत किशोर ने राहुल गांधी से संपर्क किया, गुजरात में कांग्रेस की रणनीति बनायेंगे

गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले प्रशांत किशोर कांग्रेस के साथ जुड़ सकते हैं। पीके ने कांग्रेस को इसका ऑफर दिया है। पिछले दिनों गुजरात कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक में राहुल गांधी ने इस पर सबकी राय ली। सूत्रों के मुताबिक नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को इस पर फैसला लेने के लिए अधिकृत कर दिया।

नाटो कभी भी इतना अधिक एकजुट नहीं हुआ

बाइडेन ने कहा कि नाटो कभी भी इतना अधिक एकजुट नहीं हुआ है, जितना आज है। यूक्रेन पर हमले के बाद पुतिन को उनके इरादे के बिल्कुल उलट परिणाम मिल रहे हैं। अमेरिका एक लाख यूक्रेनी रिफ्यूजी का स्वागत करने के लिए तैयार है। इसके साथ ही समिट के बाद बाइडेन ने मीडिया से कहा कि हमने चीन को साफ तौर पर चेताया है कि अगर उसने रूस को मदद दी तो इसके गंभीर आर्थिक परिणाम भुगतने होंगे। हमने उन्हें कोई धमकी तो नहीं दी है, लेकिन चीनी राष्ट्रपति रूस की मदद करने का परिणाम अच्छे से जानते हैं।

यूक्रेन को 6,000 मिसाइल देगा ब्रिटेन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ऐलान किया है कि रूसी सेना के मुकाबले के लिए वो यूक्रेन को 6,000 मिसाइल और 25 मिलियन पाउंड भेजेगा। इसके साथ ही मिलिट्री हार्डवेयर और एंटी टैंक इक्विपमेंट भी भेजे जाएंगे।

फाइटर प्लेन के लिए जेलेंस्की की नाटो से गुहार

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नाटो से उसके पास मौजूद फाइटर प्लेन का 1% हिस्सा मांगा। जेलेंस्की ने कहा कि आपके पास हजारों लड़ाकू जेट हैं, लेकिन हमें अभी तक एक भी नहीं दिया गया है। हालांकि अमेरिकी अधिकारी रूस के डर से यूक्रेन को फाइटर प्लेन देने से इनकार करते रहे हैं।

भारत पर श्रीलंका के संकट का क्या असर हो सकता है?

श्रीलंका में आर्थिक मंदी का असर अब भारत में भी महसूस किया जा रहा है। श्रीलंका में रिकॉर्ड तोड़ महंगाई के चलते श्रीलंका के लोग देश छोड़कर भागने लगे हैं। जाफना और मन्नार क्षेत्रों से 16 रिफ्यूजी मंगलवार को तमिलनाडु पहुंचे। इनमें 8 बच्चे भी थे।

इनमें से पहले 6 रिफ्यूजी रामेश्वरम के पास एक आईलैंड में फंसे हुए थे। इंडियन कोस्ट गार्ड के ने इन लोगों को वहां से निकाला। इसके अलावा 10 रिफ्यूजी देर रात पहुंचे थे। ये सभी रिफ्यूजी तमिल मूल के हैं।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि आर्थिक संकट से बचने के लिए अब और अधिक संख्या में श्रीलंकाई लोग अवैध तरीके से भारत आएंगे। आने वाले हफ्तों में नॉर्थ श्रीलंका में तमिल बहुल क्षेत्रों से और अधिक रिफ्यूजियों के भारत आने की उम्मीद है। कई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह संख्या 2 हजार तक हो सकती है। भारत ने इस दौरान श्रीलंका को 1 बिलियन डॉलर की क्रेडिट सुविधा देने पर सहमति जताई थी। इन पैसों के जरिए लोगों के लिए खाना, दवाएं और अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीद हो सकेगी। श्रीलंका इस संकट से निकलने के लिए IMF से भी मदद मांग रहा है। बेसिल राजपक्षे इस पर चर्चा करने के लिए अगले महीने वॉशिंगटन जाएंगे। भारत ने भी श्रीलंका को आश्वासन दिया कि भारत अपनी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी का सम्मान करेगा और श्रीलंका को इस स्थिति से उबारने में मदद भी करेगा। पिछले हफ्ते श्रीलंका के वित्त मंत्री बेसिल राजपक्षे ने जब दिल्ली का दौरा किया था

पंजाब में अब 'वन MLA-वन पेंशन':CM भगवंत मान ने कहा- चाहे कितनी बार चुनाव जीता हो, पेंशन एक टर्म की मिलेगी

पंजाब में अब एक विधायक को एक ही बार पेंशन मिलेगी, चाहे वह कितनी ही बार चुनाव जीता हो। शुक्रवार को CM भगवंत मान ने यह जानकारी दी। मान ने कहा कि जब विधायक सेवा के नाम पर राजनीति में आते हैं तो फिर लाखों की पेंशन देना जायज नहीं है। मान ने कहा कि विधायक ही नहीं, बल्कि उनके परिवारों को मिल रही पेंशन को भी रिवाइज किया जाएगा। मान ने कहा कि आने वाले दिनों में इसके बारे में विस्तृत जानकारी दे दी जाएगी।

आप सरकार के इस फैसले से सबसे बड़ा झटका कांग्रेस और अकाली दल को लगा है। प्रकाश सिंह बादल, कैप्टन अमरिंदर सिंह के अलावा राजिंदर कौर भट्ठल समेत अकाली दल और कांग्रेसी दिग्गजों को लगा है, जिन्हें कई बार विधायक रहने की वजह से लाखों रुपये की पेंशन मिल रही थी।

सवा 5 लाख तक मिल रही पेंशन

CM भगवंत मान ने कहा कि हमारे MLA हाथ जोड़कर लोगों से वोट मांगते हैं। कई राज नहीं सेवा की बात कहते हैं। हैरानी की बात यह है कि बहुत से MLA को हारने के बाद साढ़े 3 लाख से सवा 5 लाख तक पेंशन मिलती

है। खजाने पर करोड़ों रुपयों का बोझ पड़ता है। कई ऐसे हैं, जो सांसद और MLA दोनों की पेंशन ले रहे हैं।

अब MLA चाहे 2 बार जीते या 7 बार, उसे पेंशन सिर्फ एक ही टर्म की मिलेगी। इसके साथ ही पेंशन से जो करोड़ों रुपया बचेगा, उसे लोगों की भलाई पर खर्च किया जाएगा। कई विधायकों की फैमिली पेंशन भी बहुत ज्यादा है, उसे भी कम किया जा रहा है।

पंजाब में सबसे ज्यादा पेंशन पूर्व CM को

पंजाब में सबसे ज्यादा पेंशन 5 बार CM रह चुके प्रकाश सिंह बादल की बनती है। उन्हें करीब पौने 6 लाख की पेंशन मिलनी थी। हालांकि, उन्होंने कुछ दिन पहले ही पेंशन लेने से इन्कार कर दिया। उनके अलावा 6 बार विधायक रहीं पूर्व CM राजिंदर कौर भट्ठल, लाल सिंह, पूर्व मंत्री सरवण सिंह फिल्लौर को 3.25 लाख, 5 बार विधायक रहे बलविंदर सिंह भूंदड़ और सुखदेव ढींढसा को सवा 2 लाख रुपए पेंशन मिलती है। इनको बतौर राज्यसभा सदस्य अलग से वेतन, पेंशन भत्ते भी मिलते हैं। इस बार कैप्टन अमरिंदर सिंह भी चुनाव हारे हैं तो उन्हें भी लाखों की पेंशन मिलनी थी।

3 लाख करोड़ का कर्जदार पंजाब

पंजाब पर करीब 3 लाख करोड़ का कर्जा है। गुरूवार को दिल्ली में PM नरेंद्र मोदी से मिलने के बाद CM भगवंत मान ने खुद इसे कबूल किया था। पंजाब की वित्तीय हालत को देखते हुए उन्होंने केंद्र से 1 लाख करोड़ का पैकेज भी मांगा था।

पेट्रोल-डीजल फिर महंगे:तेल कंपनियों ने कीमतों में 80 पैसे की बढ़ोतरी की, चार दिन में 2 रुपए 40 पैसे बढ़े दाम

पेट्रोल-डीजल के दाम हफ्ते में तीसरी बार बढ़ाए गए हैं। शुक्रवार को तेल कंपनियों ने एक दिन की राहत के बाद पेट्रोल की कीमत 80 पैसे और डीजल की 75 पैसे बढ़ा दी है। नई दरें आज से ही लागू हो गई है। अब दिल्ली में पेट्रोल 97.81 रुपए/लीटर और डीजल 89.07 रुपए/लीटर मिल रहा है।

वहीं, अहमदाबाद में पेट्रोल 97.52 रुपए/लीटर और डीजल 91.61 रुपए/लीटर हो गया है। ताजा बढ़ोतरी के बाद डीजल-पेट्रोल चार दिन में 2 रुपए 40 पैसे महंगे हो चुके हैं। अपने शहर में पेट्रोल-डीजल के दाम जानने से पहले आप अपनी राय यहां दे सकते हैं... गुरुवार को CNG-PNG के दाम बढ़े गुरुवार को पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े थे, लेकिन CNG और PNG की कीमतों में इजाफा किया गया था। दिल्ली में CNG के दाम 50 पैसे प्रति किलो और PNG के दाम 1 रुपए प्रति किलो बढ़ाए गए थे। घरेलू गैस सिलेंडर भी महंगी हो चुकी है तेल कंपनियों ने मंगलवार को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में भी 50 रुपए का इजाफा किया था। दामों में बढ़ोतरी के बाद बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 14.2 किलो का बिना सब्सिडी वाला सिलेंडर 1 हजार रुपए के ऊपर पहुंच गया था। तेल की कीमत में बड़ा हिस्सा टैक्स का आज जब आप 100 रुपए का पेट्रोल डलवाते हैं तो इसमें से 52 रुपए टैक्स के रूप में सरकार की जेब में जाता है। इससे आम लोगों की जेब खाली हुई, वहीं, सरकार का खजाना तेजी से भरता गया। ऐसे में अगर सरकार चाहे तो टैक्स में कटौती करके आम आदमी को राहत दे सकती है। टैक्स वसूलने में महाराष्ट्र सबसे आगे है।

बीरभूम हत्याकांड की CBI जांच शुरू

लोगों को जिंदा जलाने से पहले बुरी तरह पीटा गया, धारदार हथियारों से हमला भी किया; फोरेंसिक रिपोर्ट में खुलासा

कलकत्ता हाईकोर्ट ने बीरभूम हत्याकांड में ममता सरकार को बड़ा झटका देते हुए CBI जांच का आदेश जारी कर किया। आदेश के साथ ही CBI की टीम ने रामपुरहाट पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। टीम को 7 अप्रैल तक कोर्ट में रिपोर्ट पेश करनी है। इससे पहले SIT इस मामले की जांच कर रही थी। फोरेंसिक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि लोगों को जिंदा जलाने से पहले बुरी तरह पीटा और धारदार हथियारों से मारा गया था। चीफ जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव और जस्टिस राजर्षि भारद्वाज की बेंच ने बंगाल सरकार को मामले की जांच सीबीआई को सौंपने और SIT को आगे की जांच में सीबीआई को पूरा सहयोग देने का निर्देश दिया है। फोरेंसिक रिपोर्ट में खुलासा-जलाने से पहले बुरी तरह पीटा बीरभूम में जिन 10 लोगों को बेरहमी से हत्या की गई, उन्हें मारने से से पहले बुरी तरह पीटा गया था। फोरेंसिक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। जांच टीम को जले हुए घरों में खून के धब्बे

मिले हैं, जिससे पता चला है कि कि उन पर धारदार हथियार से हमला भी किया गया था। संकेत यह भी मिले हैं कि भीड़ ने लोगों को बेहोश होने तक पीटा और फिर उन्हें घर में बंद कर जिंदा जला दिया। घरों में आग लगाने के लिए पेट्रोल बम फेंके गए थे। कलकत्ता हाईकोर्ट आज फैसला सुनाएगा बीरभूम हिंसा मामले में केंद्रीय एजेंसियों से जांच की मांग वाली याचिका पर कलकत्ता हाईकोर्ट आज फैसला सुनाएगा। फिलहाल इस मामले की जांच SIT कर रही है। इधर, बीरभूम हिंसा का मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने याचिका दायर कर मामले की जांच CBI से कराने की मांग की है। विष्णु ने कहा कि स्थानीय अधिकारी राज्य की सत्तारूढ़ TMC के चलते इस भयानक वारदात के असली मुजरिमों को बचाने में लगे हैं। TMC नेता की हत्या के बाद हुई हिंसा बीरभूम के रामपुरहाट में TMC के भादू शेख की हत्या के बाद यह पूरा मामला शुरू हुआ था। शेख की हत्या के गवाह रहे तृणमूल कार्यकर्ता ललन शेख के मुताबिक, 10-12 बदमाशों का एक गिरोह बाइक पर आया था। उन्होंने बरशाल ग्राम पंचायत के उप प्रमुख पर बम फेंक दिया। उस वक्त वह अपने स्कूटर पर बैठकर फोन पर बात कर रहा था। इस घटना के कुछ घंटों बाद ही भीड़ बागतुई पहुंची और हत्याकांड को अंजाम दिया। भादू बागतुई पश्चिमपारा का रहने वाला था और उसके हमलावर बागतुई पुरबापारा के थे। भादू के भाई बाबर की भी एक साल पहले हत्या कर दी गई थी। वकीलों से केस लड़ने से किया इनकार कोलकाता हाईकोर्ट ने इस हत्याकांड को बर्बर करार दिया है। बुधवार को कोर्ट में पेश किए गए सभी 20 आरोपियों का केस लड़ने से वकीलों ने इनकार कर दिया। रामपुरहाट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सौविक डे ने पकड़े गए 10 आरोपियों को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा है। बाकी 10 को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

पुलिस हिरासत में भेजे गए 10 लोगों में आजाद चौधरी, इंताज शेख, माफिजुल शेख, असीम शेख, रुस्तम शेख, रोहन शेख, नयन दीवान, माफिउद्दीन शेख, नजीर हुसैन और तौसीब शेख का नाम शामिल है।

केंद्र का सुप्रीम कोर्ट में जवाब, सिविल सेवा परीक्षा में नहीं दे सकते एक और मौका

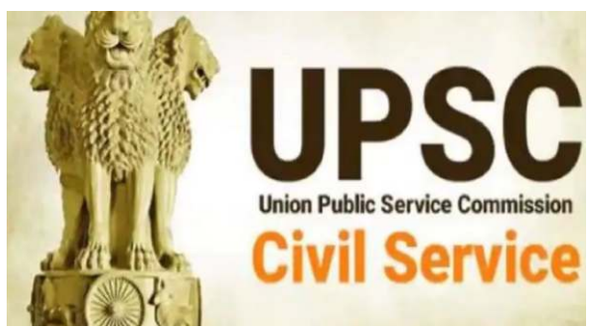

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब पेश करते हुए स्पष्ट कर दिया कि वह सिविल सेवा परीक्षा में उम्मीदवारों को अतिरिक्त प्रयास का मौका देने के पक्ष में नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र ने उन उम्मीदवारों के लिए अतिरिक्त प्रयास की मांग करने वाली याचिका का विरोध किया है जो कोविड-19 संक्रमण के कारण सिविल सेवा मेन्स परीक्षा में शामिल नहीं हो सके थे। केंद्र ने दलील दी कि इस याचिका को स्वीकार किया गया तो पूरे देश में आयोजित अन्य परीक्षाओं के लिए इसी तरह की मांग सामने आ सकती है। इसलिए, ऐसा कर पाना संभव नहीं है।

कोरोना संक्रमण के कारण यूपीएससी की सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 2021 को देने से चूके तीन उम्मीदवारों ने सुप्रीम कोर्ट में अतिरिक्त मौका देने के लिए मांग याचिका दायर की थी। याचिका पर जस्टिस एएम खानविलकर और जस्टिस एएस ओका की पीठ सुनवाई कर रही है। याचिकाकर्ता तीन उम्मीदवारों ने यूपीएससी 2021 की प्रारंभिक परीक्षा को क्वालीफाई किया था, लेकिन कोविड-19 महामारी से संक्रमित होने के बाद वे मुख्य परीक्षा के सभी पेपर नहीं दे सके। इसलिए, वे परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए एक अतिरिक्त प्रयास की मांग कर रहे हैं।

मामले में केंद्र ने कहा, यह अन्य उम्मीदवारों की संभावनाओं को भी प्रभावित करेगा जो मौजूदा प्रावधानों के अनुसार पात्र हैं क्योंकि इससे उम्मीदवारों की संख्या में वृद्धि होगी। इससे पूरे देश में आयोजित अन्य परीक्षाओं के उम्मीदवारों द्वारा भी इसी तरह की मांग की जाएगी। इसने कहा कि कुछ श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए छूट के साथ सिविल सेवा परीक्षा के लिए मौजूदा आयु मानदंड 21 से 32 वर्ष है। केंद्र ने कहा कि मौजूदा नियम उम्मीदवारों को उचित अवसर प्रदान करते हैं, भले ही कुछ अत्यावश्यकताओं के कारण एक प्रयास खो गया हो। वहीं, सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में, यूपीएससी ने अतिरिक्त प्रयास की मांग वाली याचिका का विरोध करते हुए कहा कि इसमें कोई तर्क नहीं है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने कहा है कि यदि आयोग पुन: परीक्षा का प्रावधान करता है, तो इसका अन्य चल रही परीक्षाओं के साथ-साथ अन्य परीक्षाओं के कार्यक्रम पर भी व्यापक प्रभाव पड़ेगा। यूपीएससी ने दलील दी कि इस तरह के मांगे मानने से स्थिति बिगड़ जाएगी, ऐसे तो कोई भी परीक्षा समय पर पूरी नहीं हो सकती है। याचिकाकर्ताओं ने यूपीएससी की दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि वे कोविड -19 महामारी के कारण अपने अंतिम प्रयास में परीक्षा देने से चूक गए हैं। इसलिए, वे अतिरिक्त प्रयास के हकदार हैं। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि 2014 में यूपीएससी ने उन उम्मीदवारों के लिए अतिरिक्त प्रयास की व्यवस्था की थी, जो सिविल सेवा मुख्य परीक्षा, 2013 के पैटर्न और पाठ्यक्रम में अचानक बदलाव करने के खिलाफ थे।

कम भुगतान मामला: आईएनएस ने गूगल के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत, सीसीआई ने दिया जांच का आदेश

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने ऑनलाइन समाचार बाजार में अपनी प्रमुख स्थिति का कथित रूप से दुरुपयोग करने के लिए गूगल के खिलाफ शिकायतों की जांच का आदेश दिया है। इंडियन न्यूजपेपर्स सोसाइटी (आईएनएस) ने एक बयान में कहा कि अल्फाबेट इंक (गूगल की मूल कंपनी), गूगल एलएलसी, गूगल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गूगल आयरलैंड लिमिटेड और गूगल एशिया पैसिफिक पीटीई लिमिटेड भारतीय ऑनलाइन समाचार मीडिया बाजार में रेफरल सेवाएं और गूगल एड टेक (Google Ad Tech) सेवाएं ऑनलाइन समाचार से संबंधित अपनी स्थिति का दुरुपयोग कर रहे हैं। यह प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002 की धारा 4 का उल्लंघन है। गूगल पर प्रकाशकों को कम भुगतान का आरोप

आईएनएस ने आरोप लगाया कि डिजिटल प्रारूप में उपलब्ध कराए गए समाचारों के निर्माताओं/प्रकाशकों को उनकी सामग्री के लिए उचित मूल्य का भुगतान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने ग्राहकों के लिए उपयुक्त सामग्री बनाने में भारी निवेश किया है, जो गूगल प्लेटफॉर्म का उपयोग करके समाचार आइटम खोजते हैं।

आईएनएस ने कहा, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और स्पेन सहित कई देशों ने सामग्री उत्पादकों को उनकी सामग्री और खोज परिणामों का उपयोग करने के लिए पर्याप्त रूप से मुआवजा देने के लिए गूगल सहित टेक कंपनियों की आवश्यकता के लिए कानून पारित किया है। समाचार मीडिया घरानों को गूगल द्वारा इस बात पर पूरी तरह से अंधेरे में रखा जाता है कि एकत्र किए गए कुल विज्ञापन राजस्व कितना है और कितना वास्तविक प्रतिशत मीडिया संगठनों को दिया जा रहा है।

प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002 के दायरे में आते हैं ये आरोप

यूरोपीय प्रकाशक परिषद ने भी गूगल के खिलाफ एक शिकायत दर्ज की थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि गूगल ने ऐड टेक वैल्यू चेन का पूरा नियंत्रण हासिल कर लिया है और अपनी स्थिति का दुरुपयोग कर रहा है। सीसीआई ने आईएनएस की दलीलों की जांच करने के बाद पाया कि दुरुपयोग के ये आरोप प्रथम दृष्टया प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002 के दायरे में आते हैं और इसके लिए महानिदेशक द्वारा विस्तृत जांच की आवश्यकता है। आईएनएस ने कहा कि सीसीआई ने आईएनएस द्वारा पेश जानकारी को डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन (डीएनपीए) द्वारा इसी तरह की दलीलों पर एक आदेश पारित किया।

SPORTS खेल जगत

24 साल बाद कंगारुओं की पाकिस्तान में जीत:तीसरे टेस्ट में पाकिस्तान को 115 रन से हराकर सीरीज जीती, पैट कमिंस बने मैन ऑफ द मैच

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में नंबर-1 ऑस्ट्रेलिया

24 साल बाद पाकिस्तान के दौरे पर गई ऑस्ट्रेलिया की टीम ने लाहौर में खेले गए तीसरे टेस्ट को जीत लिया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने तीसरे टेस्ट में पाकिस्तान को 115 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली है। पाकिस्तान के सामने 351 रन का टारगेट था। जवाब में मेजबान टीम 235 रन पर ही सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से ऑफ स्पिनर नेथन लायन ने सबसे ज्यादा 5 विकेट झटके और कप्तान पैट कमिंस ने 3 विकेट लिए। कैमरन ग्रीन और मिचेल स्टार्क को 1-1 विकेट मिला। मैच में 8 विकेट लेने वाले कप्तान पैट कमिंस को मैन ऑफ द मैच चुना गया है। वहीं, मैन ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड उस्मान ख्वाजा के खाते में गया। दूसरी पारी में पाकिस्तान की ओर से सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक (70) टॉप स्कोरर रहे। उनके अलावा कप्तान बाबर आजम ने 55 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम बेजान पिचों पर मेजबान टीम को चुनौती देने में सफल रही। दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत से 3 विकेट दूर रह गई थी, लेकिन लाहौर में कंगारू टीम ने जीत दर्ज करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया की टीम नंबर ICC वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में नंबर वन पर पहुंच गई है। वहीं, टीम इंडिया अब तीसरे नंबर पर है।

ख्वाजा की शानदार बल्लेबाजी

ऑस्ट्रेलिया की ओर से उस्मान ख्वाजा ने पूरी सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की। तीसरे टेस्ट की पहली पारी में इस खिलाड़ी ने 91 रन और दूसरी पारी में 104 रन बनाए। उनकी शानदार बल्लेबाजी की बदौलत ही ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 391 और दूसरी पारी में 227/3 का स्कोर खड़ा किया था। पाकिस्तान की टीम पहली पारी में 268 रन बनाकर ढेर हो गई और पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया 123 रन की बढ़त हासिल करने में सफल रही।

पांचवें दिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कहर बरपाते हुए पाकिस्तान के बल्लेबाजों को पिच पर जमने ही नहीं दिया। दूसरी पारी में नाथन लॉयन ने सर्वाधिक 5 विकेट झटके। वहीं, पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले कप्तान पैट कमिंस 3 और मिचेल स्टार्क 1 विकेट ले सके। कैमरून ग्रीन को भी एक सफलता मिली।

कैप्टन बनने के बाद जडेजा का फर्स्ट रिएक्शन:बोले- कैप्टेंसी की टेंशन नहीं, माही मैदान पर रहेंगे, पहले भी उनके पास जाता था और आगे भी जाऊंगा

इंडियन प्रीमियर लीग शुरू होने से दो दिन पहले महेंद्र सिंह धोनी ने रवींद्र जडेजा को चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी सौंपी है। जडेजा के कप्तान

बनने के बाद उनका पहला रिएक्शन आया है। उन्होंने कहा, 'मैं कप्तानी को लेकर ज्यादा टेंशन में नहीं हूं, क्योंकि धोनी मेरे साथ खड़े हैं। मुझे उनका मार्गदर्शन मिलेगा। मेरे मन में अगर किसी तरह का कोई सवाल रहता है तो मैं धोनी के पास ही जाता था और जाता रहूंगा।' जडेजा ने आगे कहा- मैं कप्तानी मिलने से अच्छा महसूस कर रहा हूं, लेकिन यह मेरे लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। धोनी ने जो विरासत छोड़ी है, उसे मुझे आगे बढ़ाना है। भरोसा जताने के लिए सबका शुक्रिया। सीईओ बोले- धोनी का फैसला टीम हित में

वहीं धोनी की कप्तानी छोड़ने के बाद CSK की ओर से जारी बयान में सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा- धोनी के कप्तानी छोड़ने से मैं हैरान हूं, लेकिन धोनी के फैसले का स्वागत करता हूं। धोनी ने जो भी फैसला किया है, वह टीम के हित में ही होगा। वह अभी टीम के लिए आगे भी खेलते रहेंगे और उनका मार्गदर्शन टीम को मिलता रहेगा। वह टीम के मार्गदर्शक हैं और मार्गदर्शक बने रहेंगे। धोनी ने की थी जडेजा की सिफारिश

बयान में आगे कहा गया है कि धोनी ने ही कप्तानी छोड़ने के बाद जडेजा के नाम की सिफारिश की थी।

IPL का 15वां सीजन, महिला IPL कब होगा शुरू?:ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड की लीग में खेलती हैं भारतीय क्रिकेटर, पाक-बांग्लादेश न निकल जाएं हमसे आगे

IPL का 15वां सीजन शुरू होने में एक दिन बाकी है। दूसरी तरफ, न्यूजीलैंड में चल रहे वीमेंस वर्ल्ड कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें कायम रखी हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। डेढ़ दशक से पुरुष क्रिकेट को आईपीएल जैसा टूर्नामेंट देने के बावजूद भारत में महिलाओं के आईपीएल की कोई तैयारी नहीं दिखती।

देश में क्रिकेट और क्रिकेटर्स को नए मुकाम तक पहुंचाने और नए खिलाड़ियों की पौध तैयार करने में आईपीएल की अहम भूमिका रही है। इस लीग से कई बेहतरीन खिलाड़ी उभरे, जिन्होंने टीम इंडिया में जगह बनाई। विश्व क्रिकेट में भी भारतीय खिलाड़ियों को खास पहचान मिली। पिछले करीब पांच साल से महिला खिलाड़ियों के लिए आईपीएल की मांग भी हो रही है। हाल ही में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने ऐलान किया कि 2023 से वीमेंस आईपीएल की शुरुआत पर विचार किया जा रहा है।

मुंबई में गवर्निंग काउंसिल की बैठक में महिला के लिए आईपीएल पर शुक्रवार यानी आज चर्चा होगी।

जब एक हार ने किया चमत्कार

23 जुलाई, 2017 से पहले क्रिकेट प्रशंसकों का प्रेम टीम इंडिया कही जाने वाली पुरुष टीम को ही मिलता था, लेकिन इसी दिन भारतीय महिला क्रिकेटरों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने इंग्लैंड के लॉर्ड्स तक अपनी चमक बिखेरी। भारतीय टीम वुमन वर्ल्ड कप 2017 की उप-विजेता रही, लेकिन देशवासियों के लिए वे विजेता से कम नहीं थीं। 2005 के बाद दूसरा मौका था, जब भारतीय महिला टीम वर्ल्ड कप में उप-विजेता बनी।

2017 के बाद से बदल गई दुनिया

इससे पहले महिला क्रिकेट के मैचों का प्रसारण टीवी पर नहीं किया जाता था। इसके पीछे दलील थी कि महिला टीम में न तो पुरुष टीम जैसे बड़े नाम हैं और न ही प्रायोजकों की लंबी कतारें। 2017 के बाद से महिला क्रिकेट टीम को तवज्जो मिलना शुरू हो गई। मैच टीवी पर लाइव आने लगे। मीडिया में अच्छी खासी कवरेज होने लगी। पुरुष टीम की तरह इस टीम को सपोर्ट भी मिलने लगा।

वरिष्ठ खेल पत्रकार मुकेश थपलियाल कहते हैं कि लोढ़ा कमेटी के गठन के बाद से महिला क्रिकेट टीम पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। घरेलू स्तर पर सुधार हुआ। महिला खिलाड़ियों को प्रॉपर कॉन्ट्रैक्ट दिए जाने लगे और उनके पैसे बढ़ाए गए। रिकॉर्ड बने तो टीवी पर

प्रसारण होने लगा, सोशल मीडिया पर लोग महिला टीम के फोटो शेयर करने लगे। लोग महिला खिलाड़ियों को पहचानने लगे। इसके बाद ही महिलाओं के लिए इंडियन प्रीमियर लीग बनाने की मांग शुरू हो गई।

महिला खिलाड़ियों की संख्या गिनी-चुनी क्यों?

थपलियाल के मुताबिक, देश में बहुत सी लड़कियां क्रिकेट खेलना चाहती हैं, लेकिन उनके सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। साल 2017 के बाद से परिवार भी अपनी बेटियों का सपोर्ट करने लगे हैं। शहरी लड़कियों के पास तो फैसिलिटी है, लेकिन गांव की लड़कियों के पास ढेरों चुनौतियां हैं। मां-बाप नौकरी पेशा नहीं हैं। आसपास ट्रेनिंग सेंटर नहीं हैं। छोटे शहरों की कई लड़कियों के सपने अभी धारणाओं के चलते टूट जाते हैं।

इन देशों में है घरेलू लीग, पाकिस्तान-बांग्लादेश में जल्द होगी शुरू

ऑस्ट्रेलिया में साल 2015 से ही पुरुषों के लीग के साथ-साथ महिलाओं के लिए वुमन्स बिग बैश लीग का भी आयोजन होता है। खास बात यह है कि महिलाओं की इन आठों टीमों का नाम पुरुषों की लीग पर ही है। सिडनी सिक्सर्स की टीम पिछले तीन बार से लगातार खिताब जीत रही है। साल 2021 में ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग में आठ भारतीय महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। वहीं इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भी अपने यहां पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं के लिए वुमन-100 लीग शुरू कर दी। हाल ही में पाकिस्तान और बांग्लादेश ने भी अपने यहां महिला खिलाड़ियों के लिए घरेलू लीग शुरू करने का ऐलान किया है।

देश परदेश

सियासत में फौज का दखल:पाकिस्तान आर्मी देश में मिलीजुली सरकार चाहती है, इमरान को विपक्षी नेताओं की शक्ल से भी नफरत

पाकिस्तान की संसद में आज यह तय होगा कि इमरान सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग कब होगी। संविधान के मुताबिक, अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने के 3 दिन बाद और 7 दिन अंदर वोटिंग कराना जरूरी है। स्पीकर असद कैसर इमरान के इशारे पर वोटिंग टालना चाहते हैं, जबकि विपक्ष को जीत सामने नजर आ रही है, इसलिए वो इस पर जल्द से जल्द फैसला चाहता है। इस सियासी कवायद में ताकतवर फौज को कथित तौर पर न्यूट्रल बताया जा रहा था, लेकिन अब खबर है कि मुल्क की बदहाल इकोनॉमी और बिगड़ते हालात को देखते हुए फौज चाहती है कि देश में सभी पार्टियों की मिलीजुली सरकार बनाई जाए। हालांकि, इमरान खान इसके लिए तैयार नहीं बताए जाते।

फौज क्या सोच रही है

पाकिस्तान के सीनियर जर्नलिस्ट अंसार अब्बासी ने फौज के इरादों की जानकारी है। अब्बासी को सेना का करीबी माना जाता है। दरअसल, चंद दिन पहले 'द जंग' अखबार में अब्बासी का एक आर्टिकल पब्लिश हुआ था। इसमें उन्होंने कहा था- मुल्क इस वक्त बेहद मुश्किल हालात में है। सियासतदान मुल्क की बेहतरी के बजाए सिर्फ खुद पर फोकस कर रहे हैं। ऐसे वक्त फौज को दखल देना चाहिए। वरना इन हालात में कुछ ऐसा भी हो सकता है कि पाकिस्तान पूरी तरह तबाह हो जाए। मुल्क की सलामती फौज के हाथों में है।

जनरल ने किया फोन

अब्बासी ने सोशल मीडिया पर कहा- आर्टिकल के बाद फौज के एक आला जनरल ने मुझे फोन किया। उन्होंने पूछा- आपको क्या लगता है कि फौज को क्या करना चाहिए। मैंने कहा- हमारी इकोनॉमी तबाह हो चुकी है। हर दिन आतंकी हमले हो रहे हैं। फॉरेन पॉलिसी जैसी कोई चीज नहीं दिखती। इसलिए फौज को सियासत में दखल देना चाहिए। फौज ने पहले भी इन हालात को संभाला है।

अब्बासी कहते हैं- कुछ दिन बाद मेरे पास उसी जनरल का फोन दोबारा आया। इस दफा उन्होंने कहा- हम हुकूमत से नेशनलिस्ट गवर्नमेंट के बारे में बात कर रहे हैं। अपोजिशन के नेता रैलियों और मार्च निकालने में व्यस्त हैं, लेकिन हमने अपना मैसेज उन तक पहुंचा दिया है। अब देखते हैं कि उनका स्टैंड इस बारे में क्या रहता है।

कामयाबी की गुंजाइश बहुत कम

फौज भले ही मिलीजुली सरकार के लिए कोशिश कर रही हो, लेकिन इसका साकार होना तकरीबन नामुमकिन जैसा ही है। इसकी वजह यह है कि इमरान खान कई बार पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर यह कह चुके हैं कि वो शहबाज शरीफ, आसिफ अली जरदारी और मौलाना फजल-उर-रहमान से हाथ मिलाना तो दूर उनके बगल में खड़ा होना भी पसंद नहीं करेंगे, क्योंकि वो भ्रष्ट हैं।

दूसरी तरफ, विपक्ष अच्छी तरह जानता है कि अगर फौज ने इमरान का साथ नहीं दिया और वो न्यूट्रल रही (जैसा नजर आ रहा है) तो इमरान को संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर करारी शिकस्त मिलना तय है। लिहाजा, ये कहा जा सकता है कि मिलीजुली सरकार बनना बेहद मुश्किल है।

रूस के हर कदम पर अमेरिका की नजर:पुतिन के केमिकल वॉर प्लान को लेकर अमेरिका चौकस, बाइडेन की सीक्रेट टाइगर टीम रख रही नजर

यूक्रेन पर हमले के एक माह बीत जाने के बाद भी रूस निर्णायक जीत हासिल नहीं कर पाया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अब केमिकल हमले का प्लान बनाया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार पुतिन, यूक्रेन के कुछ शहरों में केमिकल हमले या फिर बायोलॉजिकल हथियारों के इस्तेमाल का आदेश दे सकते हैं।

अमेरिका ने इस आशंका के चलते सीक्रेट टाइगर टीम का गठन किया है। इस टीम में अमेरिका के शीर्ष 20 सैन्य अफसरों को शामिल किया गया है। ये टीम हर सप्ताह में तीन बार बैठक करती है। यूक्रेन के पड़ोसी देश पोलैंड सहित अन्य नाटो देशों से ये टीम लगातार खुफिया इनपुट के आधार पर रूसी सेना की कार्रवाई पर नजर रख रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूसी सेनाओं की बेहद धीमी बढ़त, अब तक लगभग 7 हजार सैनिकों सहित 20 टॉप कमांडरों के मारे जाने के बाद पुतिन काफी बेचैन हैं। ब्रेसल्स में नाटो की बैठक में फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने भी आशंका जताई कि रूस, यूक्रेन पर केमिकल हथियारों से हमला कर सकता है। हमारे हौसले बुलंद, रूस अपने मंसूबों में विफल होगा:

जेलेंस्की नाटो की बैठक में अपने वर्चुअल संबोधन में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि हमारे हौसले बुलंद हैं। रूसी मंसूबे नाकाम होंगे। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ब्रसेल्स में नाटो की बैठक में ऐलान किया कि अमेरिका आने वाले दिनों में यूक्रेन के लगभग एक लाख शरणार्थियों अपने यहां जगह देगा। पुतिन के सलाहकार अनातोली चुबैस का इस्तीफा, देश छोड़ा पुतिन के प्रमुख सलाहकार अनातोली चुबैस ने बुधवार को यूक्रेन हमले के विरोध में इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया। वे युद्ध की शुरुआत से ही इसके खिलाफ लिख रहे हैं। उन्होंने मारे गए राजनेता बोरिस नेमत्सोव और उदारवादी अर्थशास्त्री येगोर गेदर की तस्वीरें पोस्ट की। रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष ड्वोरकोविच ने भी एक इंटरव्यू में युद्ध की निंदा की थी। इसके बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था। रूसी कब्जे वाले खेर्सोन के सिटी हॉल में लहराया यूक्रेन का ध्वज रूसी कब्जे वाले खेर्सोन शहर के सिटी हॉल में गुरुवार को यूक्रेन का राष्ट्रीय ध्वज लहराया। दक्षिणी यूक्रेन के इस शहर के मेयर खोली कियेव ने ध्वज की फोटो पोस्ट की है। उल्लेखनीय है कि लगभग 10 दिन से खेर्सोन पर रूसी कब्जा है और रूसी फौज यहां पर तैनात है, लेकिन रूसी फौज ने ध्वज लहराने पर रोक टोक नहीं की।

रूसी सेना पर किडनैप कर बंधक बनाने का आरोप:कई पत्रकारों समेत रूस के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोग निशाने पर, टॉर्चर कर रहे सैनिक

यूक्रेन पर रूस का हमला तेज होता जा रहा है। इस हमले में बड़ी संख्या में नागरिकों को भी नुकसान पहुंच रहा है। कई शहर खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। लोग जान बचाने के लिए घर छोड़कर भागने को मजबूर हैं। इस बीच UN ने कहा है कि रूसी सैनिक लोगों का अपहरण कर रहे हैं। इससे लोगों के मन में डर बैठ गया है।

UN ने कहा- लोगों को पकड़कर उन्हें बंधक बनाया जा रहा है। ऐसे कम से कम 36 मामले दर्ज किए गए हैं। इन लोगों का परिवार नहीं जानता कि रूसी सैनिक उन्हें क्यों ले गए हैं। इनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। पत्रकार को किडनैप किया 15 मार्च को पूर्व और दक्षिण में रूसी आक्रमण को कवर करने वाली यूक्रेन की एक पत्रकार विक्टोरिया रोशचिना का अपहरण कर लिया गया। न्यूज इंस्टीट्यूट 'होरोमाडस्के' ने अपने बयान में आरोप लगाया कि रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (FSB) और रूसी सेना ने दक्षिणपूर्वी जापोरिज्जिया क्षेत्र के बंदरगाह शहर बर्दियांस्क में उनकी पत्रकार का अपहरण कर लिया। यूक्रेन के नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (NUJ) ने कहा कि चार अन्य पत्रकारों को भी मेलिटोपोल में बंधक बनाया गया है। एक पिता को बंधक बनाया कब्जे वाले शहर मेलिटोपोल में एक पत्रकार स्वेतलाना जालिजेत्सकाया ने रूसी सेना पर उसके 75 साल के पिता को बंधक बनाने का आरोप लगाया है। पत्रकार ने कहा कि उसने रूसी प्रशासन के साथ को-ऑपरेट करने से इनकार कर दिया था, इसलिए उसे सजा देने के लिए पिता को बंधक बना लिया गया। लोकल न्यूज एजेंसी RIA मेलिटोपोल की पत्रकार जालिजेत्सकाया ने फेसबुक पर लिखा कि शहर में मौजूद एक रूसी नेता के साथ उनकी मुलाकात के बाद उनके पिता को बंधक बना लिया गया। मुलाकात के दौरान उन्होंने हमले की आलोचना की थी और इस कदम को गलत बताया था।

रूस के खिलाफ आवाज उठाने पर निशाना UN के एक स्पोक्सपर्सन ने बताया कि जिन लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, वे ज्यादातर स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधि हैं।

इनमें पत्रकार भी शामिल हैं। साथ ही उन लोगों को भी निशाना बनाया जा रहा है जो रूस के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। हालांकि इस बात की जानकारी नहीं है कि जिन लोगों की सूची रूसी अधिकारियों ने बनाई थी, उन्हें बंधक बनाया जा रहा है या नहीं। दरअसल, अमेरिका ने फरवरी में संयुक्त राष्ट्र को एक पत्र भेजा था। इस पत्र में दावा किया गया था कि रूस जंग के दौरान यूक्रेन में कुछ चुनिंदा लोगों को मार देगा। कुछ लोगों को शिविरों में भेजा जाएगा। इन सब के नामों की लिस्ट तैयार कर ली गई थी। यूक्रेन के कब्जे वाले हिस्सों में कई अधिकारियों को भी रूसी सेना ने बंधक बनाया है। उत्तर के नोवा काखोवका के सचिव को अगवा कर लिया गया।

फिर मसीहा बने सोनू सूद, पैरेंट ने मांगी मदद तो अभिनेता बोले- अब स्कूल से नहीं आएगा कॉल

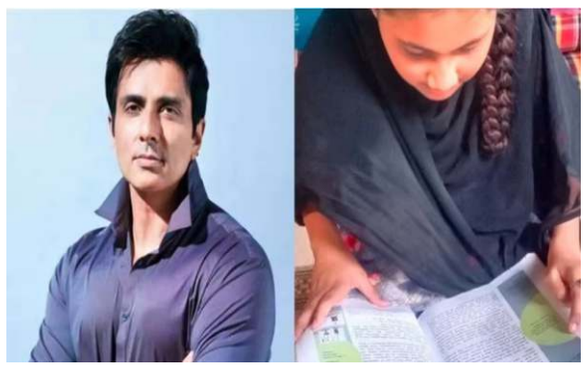

कोरोना काल के दौरान लगे लॉकडाउन ने सभी की जिंदगी को अस्त-व्यस्त कर दिया था। कोरोना काल में सबसे ज्यादा दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी कामगार और फ्रंटलाइन वर्कर्स प्रभावित हुए थे। लाखों की संख्या में लोग महामारी में ऑक्सीजन की कमी की वजह से मर रहे थे। बहुत से लोगों की नौकरियां छूट गई थीं, प्रवासी मजदूर हजारों किलोमीटर का सफर तय करके पैदल ही घरों की ओर चले जा रहे थे। श्मशान घाट में चारों तरफ चिताएं ही चिताएं थीं। कोरोना वायरस महामारी का ये सबसे खौफनाक मंजर था, जिसके बारे में सोचकर ही रूह कांप जाए। इस परिस्थिति में कई सितारों ने बढ़-चढ़कर मदद की थी, लेकिन इनमें सबसे पहला नाम बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद का लिया जाता है। सोनू सूद को महामारी के उस दौर में लोगों ने मसीहा तक घोषित कर दिया था। कोरोना काल में पीड़ितों के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर, बेड और दवाएं मुहैया कराने वाले सोनू सूद ने फिर से एक छात्रा की मदद की है। दरअसल, नसीर खान नाम के एक शख्स ने ट्विटर पर सोनू सूद से मदद मांगी। उन्होंने लिखा- @सोनू सूद सर जब भी कोई परेशानी आती है तो हमें आप ही याद आते हैं...बड़े भाई हम आपसे ही मदद की गुजारिश कर रहे हैं...आप हमारी बच्ची की फीस में मदद के लिए आखिरी उम्मीद हैं...उसके स्कूल से मदद के लिए बहुत कॉल आ रही है और बहुत परेशान हूं...भाई पैसे की बहुत किल्लत है मदद कर दो। नसीर खान के इस ट्वीट के बाद सोनू के कदम फिर से मदद की ओर बढ़ गए। बस फिर क्या था अभिनेता ने भी मददगार शख्स को मनचाहा जवाब दे दिया। सोनू ने लिखा- अब स्कूल से कॉल नहीं आएगा, साथ ही उन्होंने अपनी चैरिटी फाउंडेशन को भी टैग किया। सोनू के इस कदम के बाद एक बार फिर उनके फैंस बहुत खुश हो गए हैं। सोनू सूद के ट्विटर हैंडल पर फैंस उनके इस कदम की सराहना कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा- धूप कितनी भी तेज हो समंदर कभी सूखा नहीं करते। सोनू के फैंस उनके इस कदम के लिए कमेंट सेक्शन में धन्यवाद कर रहे हैं।

दंगल टीवी के चर्चित शो नथ ज़ेवर या ज़ंजीर में महुआ हुई हाउस अरेस्ट, इंस्पेक्टर आर्यन को शम्भू की हत्या के मिले सबूत

जेनरल एंटरटेनमेंट चैनल (GEC) दंगल टीवी के चर्चित शो नथ ज़ेवर या ज़ंजीर में अब एक और बड़ा ट्विस्ट देखने को मिलने वाला है। महुआ एक बार फिर मुसीबत में फंस गई है और धारावाहिक के नए किरदार इंस्पेक्टर आर्यन ने महुआ को हाउस अरेस्ट कर लिया है, अब महुआ क्या करेगी, यह देखना काफी रोमांचक होगा।महुआ का रोल कर रही चाहत पाण्डेय ने बताया कि महुआ को पिंजड़े में कैद कर लिया गया है। इस खानदान की बहुएं अगर जेल जाएंगी तो समाज मे बेइज्जती होगी इसलिए आर्यन ने घर मे ही जेल बना दिया है। मैं कैद हूँ और कोई मेरा साथ नही दे रहा है। मुझे जेल वाला खाना खाना पड़ रहा है। दर्शकों को यह एपिसोड देखकर काफी मजा आने वाला है। महुआ कैद से आज़ाद होगी या नहीं,बेगुनाह सिद्ध होगी या नहीं, शम्भू के कातिल का पता चलेगा या नहीं, बूंदी के बारे में जब सच सामने आएगा तो हम सब का रिएक्शन क्या होगा, यह देखने लायक होगा। आर्यन और मेरी नोकझोंक लोगों को काफी पसन्द आ रही है। दर्शकों से कहूँगी इसी तरह प्यार देते रहें।महुआ ने बताया कि वह आर्यन को चकमा देकर और बेवकूफ बनाकर भागेगी, कैसे आर्यन फिर उसे पकड़ेगा या पकड़ नहीं पाएगा, महुआ भाग जाएगी यह देखना दिलचस्प होगा। आर्यन को लगता है कि शम्भू को मैंने मारा है, इसलिए मैं अपनी बेगुनाही साबित करने की कोशिश कर रही हूं। फॅमिली को भी लगता है कि शायद इस मामले में महुआ का हाथ हो सकता है।चाहत ने अपनी को आर्टिस्ट वैभवी के साथ बॉन्डिंग को लेकर बताया कि स्क्रीन पर लोग महुआ और बूंदी को लड़ते झगड़ते देखते हैं मगर हम काफी बेहतरीन दोस्त हैं। बूंदी जैसी टीवी पर दिखती है, वैभवी रियल लाइफ में बेहद स्वीट और क्यूट है। एक बार मेरी माँ सेट पर आई थीं, तो

वह बूंदी से डर रही थीं लेकिन जब इसका स्वभाव देखा तो हैरान हो गई।बूंदी ने कहा कि ऑडिएंस को हम दोनों बहनों का टशन, झगड़ा अच्छा लगता है। लेकिन ऑफ स्क्रीन चाहत के साथ मेरी अच्छी बॉन्डिंग और अंडरस्टैंडिंग है। चाहत सेट पर खूब मस्ती करती है वह लगातार बोलती रहती है, किसी को कुछ कहने नहीं देती है। बूंदी ने शंभू को मारा है लेकिन वह नही चाहेगी कि उसकी सजा उसे मिले बल्कि वह चाहेगी कि उसकी सजा महुआ भुगते इसलिए महुआ कैद की जिंदगी गुजार रही है। आखिरकार मैं अपनी चाल में कामयाब हो गई हूँ।इंस्पेक्टर आर्यन (अविनाश मिश्रा) ने बताया कि मेरे पास जो सबूत आ रहे हैं, उनसे पता चल रहा है कि महुआ ने ही शम्भू को मारा है। इसलिए महुआ को हॉउस अरेस्ट कर दिया गया है। जिस तरह कैदियों के साथ किया जाता है उसी तरह मैं महुआ को थोड़ा परेशान कर रहा हूं। नोकझोंक वाले सीन हैं, इसी दौरान कुछ हाई ड्रामा डेवलप हो रहा है। महुआ कहती है कि मुझे सांस लेने में दिक्कत हो रही है। महुआ के हेल्थ ईशु की वजह से मैं इन्हें बाहर निकालता हूँ और वह मेरी गन मुझपर तान देती है। मुझे होस्टेज बनाकर निकलने की कोशिश करती है। उसके बाद क्या होता है आपको नथ सीरियल में देखना होगा।पद्मा का रोल कर रही अंजना सिंह ने कहा कि महुआ नहीं भाग पाएगी, हम सब पीछे पीछे उसके आ जाएंगे। नथ के तमाम दर्शकों का शुक्रिया इतना सारा प्यार देने के लिए।वहीं रमेश ठाकुर ने बताया कि कैदी कानून से ज्यादा दूर भाग नहीं पाता, क्योंकि कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं। महुआ भी कहाँ तक भागेगी?बता दें कि शो नथ ज़ेवर या ज़ंजीर में चाहत पाण्डे, अविनाश मिश्रा, अनुराग शर्मा , वैभवी कपूर, प्रतिमा कनन , रवि गोसाई , अंजना सिंह, रश्मि गुप्ता, रिया भट्टाचार्जी, ममता सोलंकी सहित कई कलाकार हैं। दंगल टीवी पर नथ ज़ेवर या जंजीर हर सोमवार से शनिवार रात 8 बजे प्रसारित किया जाता है।

अर्चना जैन द्वारा आयोजित सबसे यूनिक इंडिया ब्रेनी ब्यूटी सीज़न 3 का फाइनल 27 मार्च को होगा

मुम्बई के सेंट रेजिस होटल में खूबसूरत क्राउन की ग्रैंड अनवीलिंग पर अर्चना जैन, ओजस रजानी, सिमरन आहूजा, खंजना मोटा, सिद्धार्थ पमनानी व श्रेयांश जैन रहे मौजूदअर्चना जैन अनोखी सौंदर्य प्रतियोगिता "इंडिया ब्रेनी ब्यूटी पेजेंट" का सफल आयोजन पिछले वर्षों से करती आ रही हैं। अब अर्चना जैन के इस शो के तीसरे सीजन का फाइनल 27 मार्च को मुम्बई के सेंट रेजिस होटल में होने जा रहा है। मुम्बई के सेंट रेजिस होटल में इंडिया ब्रेनी ब्यूटी सीज़न 3 के खूबसूरत क्राउन की ग्रैंड अनवीलिंग की गई, इस मौके पर अर्चना जैन, ओजस रजानी, सिमरन आहूजा, खंजना मोटा, सिद्धार्थ पमनानी और श्रेयन्स जैन मौजूद रहे। यहां तीन दिनों के लिए सभी फाइनलिस्ट को फैशन इंडस्ट्री के विशेषज्ञों द्वारा ट्रेनिंग दी जाएगी। इसका ग्रैंड फिनाले 27 मार्च 2022 को है। इस प्रतियोगिता में देश और विदेशों की कुल 24 कंटेस्टेंट्स भाग ले रही हैं।इंडिया ब्रेन ब्यूटी शुरू करने वाली अर्चना जैन ने बताया कि इस ब्यूटी पेजेंट की विशेषता यह है कि इसमें हिस्सा लेने के लिए उम्र,

वजन, त्वचा का रंग, हाइट इत्यादि की कोई शर्त नहीं है। इस कांटेस्ट में प्रतियोगियों का आत्मविश्वास और दिमाग देखा जाता है। खूबसूरती के साथ ब्रेन पावर को देखा जाता है। एलजीबीटी कम्युनिटी और महिला सशक्तिकरण को सपोर्ट करने के लिए भी इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता रहा है। महिलाओं की छिपी प्रतिभाओं को एक अवसर देने के लिए यह पेजेंट किया जाता है।आपको बता दें कि मुंबई के सेंट रेजिस होटल में इसका तीन दिनों का ग्रूमिंग और ट्रेनिंग सेशन होता है। फैशन, ग्लैमर और ब्यूटी इंडस्ट्री के कई स्पेशलिस्ट उन्हें ग्रूम करते हैं और साधारण महिला को असाधारण बनाने में योगदान देते हैं।क्राउन की अनवीलिंग के समय सिमरन आहूजा ने कहा कि अर्चना जैन तालियों की हकदार हैं, और बधाई की पात्र हैं जो इतनी खूबसूरत लड़कियों व महिलाओं को दुनिया पर राज करने का एक सुनहरा मौका दे रही हैं। सीज़न 3 बहुत ही खास होने वाला है। जिसमे 24 फाइनलिस्ट हैं, जो अपनी प्रतिभाएं दिखाने वाली हैं। ओजस रजानी इन सभी प्रतिभागियों को ग्रूम करने वाली हैं, और इन खूबसूरत लेडीज़ को प्यारा लुक देने वाली हैं। यह सभी लड़कियां और महिलाएं बचपन से ही क्राउन जीतने का सपना देखती आ रही हैं ऐसे में यह एक बेहतरीन प्लेटफार्म है।सिद्धार्थ ने कहा कि मुझे जलन हो रही है, पुरुषों के लिए ऐसा कोई क्राउन क्यों नहीं है। अर्चना जैन का बहुत शुक्रिया कि वह इतना अच्छा ब्यूटी कॉन्टेस्ट तीसरे साल कराने जा रही हैं, उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं कि वह आगे भी इसी तरह इसका आयोजन करती रहें।श्रेयांश जैन ने कहा कि इंडिया ब्रेनी ब्यूटी के साथ जुड़ने का हमेशा बड़ा ही यादगार अनुभव रहता है। इसका उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना रहा है, मैं सीज़न 3 के सभी पार्टिसिपेंट्स को ऑल द बेस्ट कहना चाहता हूँ।खंजना ने कहा कि मैं ज्यादा नहीं कहूँगी आप सिर्फ 27 मार्च का इन्तेजार करें जब एक ग्रैंड शो होगा। सीज़न 3 में वीमेन एम्पावरमेंट के लिए रनवे शो होगा। एलजीबीटी कम्युमिटी को सपोर्ट करने के लिए एक वॉक होगा जो इतिहास दर्ज करेगा। तो आप सब तैयार रहें, 27 मार्च को होने वाले अमेजिंग और अद्भुत इवेंट के लिए।अर्चना जैन के साथ जुड़कर ओजस रजानी कैसा महसूस कर रही हैं, इस बारे में उन्होंने कहा कि अर्चना जैन के साथ जुड़ना काफी अच्छा लगता है। उनका कांसेप्ट यूनिक है। बॉडी शेप, गोरी, काली, यंग, ओल्ड के फर्क को उन्होंने खत्म करने की कोशिश और पहल की है। जरूरी है कि हर एक को मौका मिले और इंडिया ब्रेनी ब्यूटी से बेहतर अवसर और क्या हो सकता है। अर्चना जैन इस का तीसरा सीज़न भव्य रूप से आयोजित कर रही हैं। मैं सभी से वादा कर रही हूं कि 27 मार्च को बड़ा धमाल होने वाला है।अर्चना जैन काफी कम उम्र की बिज़नस वोमेन हैं जो हर चीज को सम्भव होने पर विश्वास रखती हैं, जिन्होंने हर लड़की के लिए एक मौका तलाशा है। ब्यूटी क्वीन और जीनियस अर्चना जैन ने कहा कि हमारे शो की मेकअप पार्टनर और ज्यूरी के रूप में ओजस रजानी का होना हमारे लिए सम्मान की बात है।अर्चना जैन ने सिमरन आहूजा, खंजना, सिद्धार्थ और श्रेयांश जैन के साथ साथ पूरी टीम का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि इंडिया ब्रेनी ब्यूटी के सीजन 1 और सीज़न 2 की सफलता का क्रेडिट पूरी टीम को जाता है और हमें पूरा यकीन है कि तीसरा सीज़न भी सक्सेसफुल रहेगा।गौरतलब है कि अर्चना जैन फ्लोरियन फाउंडेशन की फाउंडर हैं।

दंगल टीवी के पॉपुलर शो "रक्षाबन्धन" में होली के स्पेशल सीक्वेंस, शिवा और अर्जुन के बीच मुकाबला

दंगल टीवी के पॉपुलर शो रक्षाबन्धन रसाल अपने भाई की ढाल में होली स्पेशल कई एपिसोड देखने को मिलने वाले है। कई दिनों तक होली का सीन फ़िल्माया गया जिसमें ट्विस्ट भी है। सभी कलाकारों ने सेट पर ही रंगों का पर्व मनाया।शिवा ने बताया कि हमने अपने शो के लिए होली स्पेशल सीक्वेंस शूट किया जहां हम सब ने लठमार होली खेली, जहां रसाल अर्जुन को लठ से पीटने जाती है कि एक ट्विस्ट आता है। आप लोग यह स्पेशल एपिसोड अवश्य देखें, काफी मजा आने वाला है। इस एपिसोड में अर्जुन और शिवा के बीच रस्सी खींचने का एक रोमांचक खेल भी होता है। उसी वक्त अर्जुन की मां और शिवा की बहन रसाल भी इस खेल में शामिल हो जाती हैं। हमें शूट करते हुए काफी मजा आया मुझे विश्वास है कि दर्शकों को भी पसन्द आएगा। ऑडिएंस द्वारा शो को काफी प्यार मिल रहा है, हमारा काम भी काफी बढ़ गया है, हमें होली की छुट्टी भी नहीं मिली और हमने सेट पर ही साथी कलाकारों के साथ होली मनाई।रसाल ने बताया कि सेट को होली के ब्यूटीफुल डेकोरेशन से सजाया गया है। हम यहां लठमार होली मनाते हैं। चूंकि रसाल की तकरार अर्जुन और उनकी मां के साथ चल रही है, इसलिए लठमार होली के बहाने रसाल अपनी सारी भड़ास अर्जुन को डंडे से पीटकर निकाल देती है। यह काफी

इंटेरेस्टिंग सीन है उसके बाद भाई बहन का डांस भी है। हम सब होली पर घर से दूर थे लेकिन हमने अपनी रक्षाबन्धन फॅमिली के साथ होली मनाई।
रियल लाइफ में हालांकि मैं रंगों से ज्यादा नहीं खेलती मगर उस दिन बनने वाले पकवान काफी पसन्द हैं।कनक ने कहा कि मेरी बहन कंगना मेरे ससुराल होली मनाने आई है, तो मैं काफी खुश हू। जैसे कनक पहले मस्तीखोर हुआ करती थी कंगना भी उसी तरह की है। किसी को नहीं पता कि वह क्या कारनामे करने वाली है। होली मुझे बहुत पसन्द रही है, बचपन से लेकर अब तक शायद ही कभी ऐसा साल गया होगा जब मैंने अपने घरवालों के साथ होली नहीं मनाई। लेकिन इस बार रक्षाबंधन की शूटिंग करते हुए सेट पर हमने होली मनाई और खूब धमाल किया।कंगना ने कहा कि मैं गांव में ही पली बढ़ी हूँ और अपनी बहन कनक के घर आई हूँ। उसकी भी अपनी एक कहानी आगे दर्शकों को देखने को मिलेगी। निशांत, वैशाली, वर्षा के साथ मेरी अच्छी बॉन्डिंग हो गई है इसलिए सेट पर काफी पॉज़िटिव माहौल रहता है। पहली बार होली के दिन हमने काम किया और सेट पर पूरी यूनिट के साथ होली का उत्सव मनाया।अर्जुन ने बताया कि बहुत ज्यादा गर्मी में हमने होली के सीक्वेंस की शूटिंग कई दिनों तक की। रसाल के साथ जो मेरी अनबन चल रही है उसको भी इस सीन में दिखाया गया है। रस्सी खींचने के खेल में एक तरफ मैं और मेरी माँ हैं तो दूसरी तरफ रसाल और शिवा हैं। इस बार हमारी वर्किंग होली रही, लेकिन ठीक है कभी कभी त्योहारों पर काम करना भी अच्छा रहता है। शूट के बाद सेट पर हमने काफी धूमधाम से होली का पर्व मनाया।दंगल टीवी के पॉपुलर शो रक्षाबन्धन में नायरा बनर्जी, निशांत मल्कानी, वर्षा शर्मा, वैशाली ठक्कर, अभिषेक शर्मा, सोनवीर वढेरा, देबलीना चटर्जी नजर आते हैं।दंगल टीवी पर धारावाहिक रक्षाबंधन रसाल अपने भाई की ढाल सोमवार से शुक्रवार शाम 7:30 बजे प्रसारित किया जाता है।

पत्रकार से बदसलूकी मामले में सलमान खान को कोर्ट ने भेजा समन, 5 अप्रैल को पेश होने का दिया आदेश

सलमान खान अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने विवादों के कारण भी जाने जाते हैं। सलमान कई मामलों में जेल तक के चक्कर काट चुके हैं। अब हाल ही में सलमान के खिलाफ मुंबई की अंधेरी कोर्ट ने 3 साल पुराने मामले में समन जारी किया है। एक्टर पर आरोप है कि उन्होंने अशोक श्यमाल पांडे नाम के जर्नालिस्ट से मारपीट की थी।

5 अप्रैल को होना है पेश

मुंबई की अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सलमान खान और उनके बॉडीगार्ड को IPC की धारा 324, 392, 426, 504 और 506 के तहत दर्ज मामले में अगले महीने 5 अप्रैल की तारीख दी है। जर्नलिस्ट ने कहा था कि सलमान ने उन्हें मारा और फिर उनका फोन भी छीन लिया था। उन्होंने इस घटना के बाद पुलिस पर भी सलमान के खिलाफ की गई शिकायत पर कार्यवाही नहीं करने का आरोप लगाया था।

क्या है मामला

मामला तीन साल पुराना 2019 का है, जब जर्नलिस्ट अशोक पांडे ने सलमान को साइकिल चालाते हुए शूट करने की कोशिश की थी। तभी एक्टर और उनके बॉडीगार्ड ने अशोक से दुर्व्यवहार किया था और उनका फोन भी छीन लिया था। अशोक ने सलमान पर मारपीट का भी आरोप लगाया है।

रनवे-34,अजय देवगन ने 14 कैमरों के सेटअप से महज 2 महीनों में पूरी की फिल्म की शूटिंग, पोस्ट प्रोडक्शन में लगे 8 महीने

अजय देवगन इस ईद पर 'रनवे-34' लेकर आ रहे हैं। इसे संदीप केवलानी ने 6 साल पुरानी प्लेन दुर्घटना से इंस्पायर होकर लिखा है। अजय देवगन ने न केवल इसमें एक्ट किया है, बल्कि उन्होंने इसे डायरेक्ट, एडिट, स्पेशल इफेक्ट्स समेत पोस्ट प्रोडक्शन से जुड़े 6 अन्य विभागों का जिम्मा भी संभाला है। राइटर संदीप केवलानी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने दैनिक भास्कर से फिल्म से जुड़ी अहम जानकारियां भी शेयर की हैं। फिल्म का काफी हिस्सा प्लेन के अंदर ही शूट हुआ 'रनवे-34' एक एविएशन थ्रिलर जॉनर की फिल्म है। इसमें फिल्म का काफी हिस्सा प्लेन के अंदर ही शूट किया गया है। ऐसे में फिल्म में काफी स्पेशल इफेक्ट्स हैं। संदीप बताते हैं, "अजय देवगन को नई तकनीकों के साथ फिल्में शूट करने का शौक रहा है। यहां उन्होंने ज्यादातर सीन 14 कैमरों के सेटअप के साथ शूट किया है। इसके चलते कलाकारों को बेहद कम मौकों पर रीटेक करने पड़ते थे, क्योंकि मल्टीपल कैमरा सेटअप उन्हें हर एंगल से फिल्मा रहा था।" संदीप आगे बताते हैं, "अजय देवगन इस फिल्म पर सिर्फ एक्टर और डायरेक्टर ही नहीं कई मौकों पर बतौर सिनेमैटोग्राफर भी सेट पर मौजूद नजर आते थे। फिल्म में एक सीन प्लेन के कॉकपिट का है। कॉकपिट का हिस्सा बेहद कंजस्टेड होता है। वहां दो पायलट मुश्किल से आ पाते हैं। ऐसे में वहां कैमरे के साथ शूट करना बेहद मुश्किल था। ऐसे में जब फिल्म के तीन सिनेमैटोग्राफर एंगल लेकर शूट नहीं कर पा रहे थे, तो अजय देवगन ने खुद कमान संभाली। उन्होंने कैमरा हाथ में खास एंगल पर लेकर सिंगल टेक में कॉकपिट में सीन शूट कर लिया।" शूट पर जाने से पहले कहानी के दस ड्राफ्ट बन गए थे बहरहाल, फिल्म का आइडिया संदीप को साल 2015 के एक विमान हादसे से आया था। उस पर आर्टिकल अखबार में आया था। उन्होंने उसे फिक्शन में पिरोया है। संदीप ने कहा, "मैंने उस इंसिडेंट से बस एक आइडिया लिया कि अगर किसी हादसे की जिम्मेदारी पायलट पर आ जाए तो क्या-क्या परिणाम हो सकते हैं। अजय देवगन सर ने इसमें अपने इनपुट दिए। इस तरह कहानी के कई ड्राफ्ट बने।

राजामौली की प्रतिष्ठा का फिल्म 'आरआरआर' को मिला फायदा, तेलुगू दर्शकों ने दिया ढेर सारा प्यार

पिछले दो साल से जिस फिल्म की सबसे ज्यादा प्रतीक्षा रही, वह फिल्म 'रौद्रम रणम रुधिरम' यानी 'आरआरआर' सिनेमाघरों तक आ पहुंची है। फिल्म के हिंदी संस्करण के रिलीज से पहले मुंबई को छोड़ कहीं दूसरी जगह शोज नहीं हुए हैं। लिहाजा सबको शुक्रवार की सुबह 9 बजे के पहले शो का इंतजार है और साथ ही इंतजार इस बात का भी है कि क्या फिल्म 'आरआरआर' निर्देशक एस एस राजामौली के ब्रांड नेम पर खरा उतर सकेगी। फिल्म का तेलुगू संस्करण देखने के बाद फिल्म के जो शुरुआती रिव्यूज आए हैं, उनके मुताबिक फिल्म 'आरआरआर' ने तेलुगू दर्शकों का दिल जीत लिया है। करीब आठ हजार स्क्रीन्स पर रिलीज हुई फिल्म 'आरआरआर' को अब तक किसी क्रिटिक ने तीन स्टार से कम नहीं दिए हैं। उम्मीद की जा रही है कि फिल्म के हिंदी संस्करण को भी अच्छा प्रतिसाद मिलेगा। फिल्म 'आरआरआर' का पूरा नाम इसके तेजी से वायरल हुए सेंसर

सर्टिफिकेट पर रौद्रम् रणम् रुधिरम् लिखा हुआ है। फिल्म में राजामौली के प्रिय कलाकार राम चरण और जूनियर एनटीआर हैं। साथ में हिंदी दर्शकों को लुभाने के लिए अजय देवगन और आलिया भट्ट जैसे कलाकारों को भी फिल्म में रखा गया है।
फिल्म की कहानी राजामौली के पिता के विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी है और फिल्म में संगीत एम एम कीरावाणी यानी एम एम क्रीम का है। डीवीवी एंटरटेनमेंट के मालिक डी वी वी दानाय्या इसके निर्माता है और फिल्म का प्रीमियर गुरुवार को ही अमेरिका में हुआ। अकेले अमेरिका में ये फिल्म दो हजार से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज होने जा रही है। महात्मा गांधी के देश की आजादी की लड़ाई में शामिल होने के आसपास की घटनाओं पर बनी फिल्म 'आरआरआर' एक काल्पनिक कहानी है। हालांकि फिल्म के सूत्र दक्षिण भारत के दो गुमनाम नायकों पर आधारित है। देश को आजाद कराने की जिनकी लड़ाई के बारे में ज्यादा कुछ उपलब्ध नहीं है। अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम की इस कहानी में किसी मसाला फिल्म सा हर सूत्र उपलब्ध है। दोस्ती, दुनियादारी और दिखावा यहां भरपूर है। प्रेम, छल, कपट और धोखा भी है।

नाटा 2022: आर्किटेक्चर प्रोग्राम का प्रवेश द्वार

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

वास्तुकला को पेशेवर करियर के सबसे उभरते क्षेत्रों में से एक के रूप में देखा जाता है। आज वास्तुकला, योजना और डिजाइन के क्षेत्र में कुशल तकनीकी पेशेवरों की मांग है। आर्किटेक्चर में (NATA) नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर (COA) द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है। यदि कोई उम्मीदवार आर्किटेक्ट बनना चाहता है, तो उम्मीदवार को NATA परीक्षा से गुजरना होगा और देश के आर्किटेक्चर कॉलेजों में B.Arch प्रवेश प्रक्रिया के लिए अर्हता प्राप्त करनी होगी।

NATA अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र के लिए आवेदक की योग्यता को मापता है, अर्थात वास्तुकला, संज्ञानात्मक कौशल, दृश्य धारणा और सौंदर्य संवेदनशीलता परीक्षण, तार्किक तर्क और महत्वपूर्ण सोच क्षमता, आदि के मूल्यांकन के माध्यम से, उम्मीदवार ने अतीत में जो सीख हासिल की है, उसके अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र से संबंधित है।

NATA 2022 परीक्षा तिथियां जारी कर दी गई हैं। परीक्षा प्राधिकरण तीन सत्रों में NATA

परीक्षा 2022 आयोजित करेगा। NATA 2022 परीक्षा क्रमशः 12 जून, 3 जुलाई और 24 जुलाई को आयोजित की जाएगी।

नाटा पात्रता मानदंड NATA 2022 परीक्षा के लिए पूर्ण पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं:

• योग्यता: (NATA) के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 10+2 इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

• विषय: आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को अनिवार्य विषयों में से एक के रूप में भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के साथ अपनी योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

• अंक: परीक्षा के लिए पात्र होने के लिए उम्मीदवार को पीसीएम विषयों में कम से कम 50% कुल अंक प्राप्त करने चाहिए।

• पात्रता: 2022 में अंतिम वार्षिक परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार भी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। विवरण और अपडेट के लिए कृपया www.nata.in पर लॉग ऑन करें। परीक्षा के प्रारूप और आर्किटेक्चर में प्रवेश प्रक्रिया का विवरण एकत्र करने के लिए आप आर्किटेक्चर इंस्टीट्यूशन लाइब्रेरी में जा सकते हैं।

मुम्बई में अनोखी सौंदर्य प्रतियोगिता "मिस एनवायरनमेंट इंटरनेशनल" में 25 देशों की ब्यूटी क्वीन्स लेंगी हिस्सा

ऋषिकेश मिराजकर द्वारा आयोजित यूनिक कांटेस्ट का फाइनल 2 अप्रैल को होगा

मायानगरी मुम्बई में 2 अप्रैल 2022 को भव्य रूप से अपनी तरह की एक अनोखी सौंदर्य प्रतियोगिता "मिस एनवायरनमेंट इंटरनेशनल" का फाइनल होने जा रहा है। इसकी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ब्यूटी पेजेंट के ऑर्गनाइज़र ऋषिकेश मिराजकर ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भारत सहित दुनिया भर के 25 देशों की ब्यूटी क्वीन्स हिस्सा लेंगी।उन्होंने आगे कहा कि मैं बतौर डायरेक्टर कई ब्यूटी पेजेंट्स दूसरों के लिए करता आ रहा हूं। मैं थाईलैंड, सिंगापुर में शो डायरेक्टर के रूप में काम कर चुका हूं। टियारा मिस इंडिया के नाम से मिस इंडिया मुकाबले का आयोजन पिछले 5 वर्षों से करता आ रहा हूं। इस अनोखे शो मिस एनवायरनमेंट इंटरनेशनल का आईडिया मुझे उस वक्त आया जब मैंने सोचा कि

अपना खुद का एक इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट होना चाहिए जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रौशन करे। यह सिर्फ फैशन से संबंधित इंडस्ट्री ही नहीं है बल्कि सोशल एक्टिविटी भी की जा सकती है। पर्यावरण से जुड़े मामले हों, कैंसर पेशेंट्स से जुड़ी कोई बात हो, तो इसके द्वारा एक मैसेज देकर लोगों को अच्छी राह पर चलने के लिए प्रेरित किया जा सकता है इसलिए मैंने इसका नाम मिस एनवायरनमेंट इंटरनेशनल सोचा, क्योंकि यह शब्द अपने अंदर बेशुमार मायने रखता है।इस ब्यूटी पेजेंट का यह पहला साल है। टोटल इस प्रतियोगिता में 20 महिलाएं भाग लेंगी प्रेस कांफ्रेंस में 15 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया जबकि 24 मार्च से बाकी 5 पार्टिसिपेंट्स भी शामिल हो जाएंगी।भारत, यूगांडा, बेल्जियम, यूनाइटेड किंगडम सहित कुल 25 देशों की हसीनाएं इसमें हिस्सा लेंगी। पहले नेशनल डायरेक्टर को चुनना पड़ता है। हमें नेशनल डायरेक्टर को इवेंट के बारे में पूरी डिटेल्स बतानी पड़ती है।आपको बता दें कि इस सौंदर्य प्रतियोगिता की विनर को 10 लाख का क्राउन मिलने वाला है, साढ़े तीन हजार डॉलर की इनाम राशि है। पूरे साल में इस प्रोजेक्ट के प्रोमोशन के सिलसिले में विजेता 4 देशों में घूमेंगी। पहले मारिशियस, फिर जिम्बाब्वे, उसके बाद यूनाइटेड किंगडम। फिर एक बार और इन्हें इंडिया लाया जाएगा।मेमोरी मेकर्स इवेंट मैनेजमेंट के अंतर्गत यह ब्यूटी कॉन्टेस्ट होने जा रहा है। यह कंपनी फैशन इवेंट के लिए मशहूर है और इनका पहला इंटरनेशनल इवेंट होगा।श्रीमती रेखा विजय मिराजकर भी इस प्रोग्राम से जुड़ी हुई है। उनका सम्बन्ध फैशन वर्ल्ड से रहा है, स्टेज के बारे में उन्हें काफी नॉलेज और एक्सपीरियंस है।ऋषिकेश ने आगे कहा कि देश बदल रहा है, सोच बदल रही है। भारत सरकार, महाराष्ट्र सरकार, ठाणे महानगरपालिका ने मुंबई में इस तरह के ग्रैंड इवेंट को करवाने में काफी सहयोग दिया है मैं सभी का शुक्रिया अदा करता हूं। इतने सारे देशों की महिलाओं को वीजा मिलना आसान नहीं होता जबकि कोविड 19 के हालात हैं मगर सभी के सहयोग से यह संभव हो पाया है।

मोदी Vs केजरीवाल: भाजपा के यूपी मॉडल और आप के पंजाब मॉडल में होगी लड़ाई, कौन जीतेगा जनता का दिल?

योगी आदित्यनाथ ने अपने 51 मंत्रियों के साथ शुक्रवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में शपथ ग्रहण किया। उनके शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में समाज के सभी क्षेत्रों, वर्गों के लोगों को शामिल कर भाजपा ने एक बड़ा संकेत देने की कोशिश की है। मंत्रिमंडल में बेहद सामान्य परिवारों से आए कार्यकर्ताओं को भी शामिल कर पार्टी के गरीबों के साथ खड़ा होने का संकेत भी दिया गया है। इसे उसकी 2024 की लड़ाई की तैयारी से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

इसके पहले भगवंत मान के मंत्रिमंडल की खूब चर्चा हुई थी। आम आदमी पार्टी ने भगवंत मान के मंत्रिमंडल में ऐसे सामान्य चेहरों को जगह दी है, जो बेहद निम्न तबकों से आते हैं। पढ़े-लिखे और योग्य लोगों को साथ लेकर पार्टी ने जहां यह संकेत देने की कोशिश की थी कि वह एक बेहतर सरकार चलाने के लिए तैयार है तो वहीं सामान्य चेहरों के जरिए मंत्रिमंडल में गरीब लोगों की भागीदारी को भी दिखाने की कोशिश की गई।

आम आदमी पार्टी को आने वाले दिनों में भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि अगले लोकसभा चुनाव में दोनों के बीच कई राज्यों में मजबूत लड़ाई हो सकती है। इसे देखते हुए दोनों ही दल अपनी कमर कसते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। ऐसे में दोनों ही पार्टियां अपनी इन सरकारों को एक मॉडल के रूप में पेश कर अपनी दावेदारी मजबूत करने की कोशिश कर सकती हैं।

भाजपा योगी आदित्यनाथ सरकार के सहारे बेहतर कामकाज और जनहितैषी योजनाओं का एक मॉडल पेश करने की कोशिश करेगी, तो अरविंद केजरीवाल मान सरकार के सहारे शिक्षा-स्वास्थ्य के राजनीति की एक नई पारी खेलने की कोशिश करेंगे। दोनों ही राजनीतिक दल अपनी उपलब्धियों को आम गरीबों के साथ जोड़कर खुद को बेहतर साबित करने की कोशिश करेंगे। प्रचार तंत्र में माहिर खिलाड़ी राजनीति की लड़ाई को परसेप्शन का खेल माना जाता है। जनता के मन में परसेप्शन बनाने के खेल में मीडिया का बेहतर इस्तेमाल करते हुए अपनी उपलब्धियों को बेहतर ढंग के साथ पेश करने के साथ ही विपक्ष पर हमला करना भी शामिल माना जाता है। इससे ही जनता के बीच किसी पार्टी या सरकार को लेकर सकारात्मक या नकारात्मक छवि बनती है।

अनधिकृत टिकट दलालों के विरुद्ध पश्चिम रेलवे की बडी कार्यवाही

गणेश पाण्डेय। मुंबई

- ***रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक ने पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल के प्रयासों को सराहा***
- ***2.18 करोड़ रु. मूल्य के ई-टिकटों के साथ-साथ यात्रा-सह-आरक्षण टिकट भी जब्त***
- ***वर्ष 2021 मे कुल दलाली के 684 मामलों में 824 लोग को गिरफ्तार और 2.18 करोड़ रु. मूल्य के कुल 19,268 टिकटों को अब तक जब्ती***

पश्चिम रेलवे द्वारा दलालों, यात्रियों को लुभाने और उनसे अवैध रूप से अत्यधिक कमीशन वसूलने वालों के खिलाफ छापेमारी और विशेष अभियान सतत चलाया जा रहा है। दलालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल (RPF) द्वारा सभी छह मंडलों में नियमित रूप से विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप लगभग 2.18 करोड़ रु. मूल्य के ई-टिकटों के साथ-साथ यात्रा-सह-आरक्षण टिकट भी जब्त किये गये हैं। उल्लेखनीय है कि महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल, रेलवे बोर्ड श्री संजय चंदर ने दलालों के खिलाफ इन विशेष अभियानों से आरपीएफ पश्चिम रेलवे द्वारा प्राप्त उल्लेखनीय परिणामों की सराहना की है।

अपने प्रशंसा पत्र में चंदर ने यह भी उल्लेख किया कि इस तरह के अभियानों के सफल निष्पादन से रेलवे प्रणाली में आम जनता का विश्वास बढ़ता है। उन्होंने पश्चिम रेलवे की आरपीएफ टीम को उनके प्रयास जारी रखने और भविष्य में भी ऐसे निरंतर अभियान चलाने के लिए प्रोत्साहित किया।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकार द्वारा दी गयी जानकारी के मुताबिक पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल द्वारा दलालों के खिलाफ विशेष अभियान के लिए आरपीएफ अपराध शाखा, साइबर सेल और मंडलों के डिटेक्टिव विंग से समर्पित कर्मचारियों की विशेष टीमों का गठन किया। यह देखा गया कि दलाल कई फर्जी पहचान पत्रों का उपयोग करके टिकट बुक कर रहे थे, जिनमें कुछ अधिकृत आईआरसीटीसी एजेंट भी शामिल थे, जिन्होंने टिकट जारी करने के लिए फर्जी आईडी और अवैध सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया, जिससे यात्रियों से अतिरिक्त पैसे वसूल किए जा रहे थे। 2021 में पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने दलाली के 684 मामलों में 824 लोगों को गिरफ्तार किया और 2.18 करोड़ रु. मूल्य के कुल 19,268 टिकटों को जब्त किया। दलालों की गिरफ्तारी और अभियोजन के लिए इस तरह के नियमित अभियानों के अलावा पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने अवैध दलालों के माध्यम से टिकट खरीदने से रोकने के लिए जनता को जागरूक करने हेतु कई जागरूकता अभियान भी चलाए हैं। इन अभियानों का उद्देश्य यात्रियों को रेलवे अधिनियम की धारा 143 के कानूनी प्रावधानों और दलालों से टिकट/ई-टिकट खरीदने के परिणामों के बारे में शिक्षित करना भी है।

आरपीएफ अंधेरी नेस्टेशन पर मोबाइल चोरेपकड़ा

संवाददाता । मुंबई पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल (RPF) के जवान यात्रियों के साथ-साथ उनके सामान की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। गहन निगरानी के एक और उदाहरण में पश्चिम रेलवे की आरपीएफ टीम ने अंधेरी स्टेशन पर सीसीटीवी निगरानी की मदद से एक आदतन चोर को पकड़ा।रेलवे अधिकारी अनुसार हाल ही में अंधेरी पोस्ट के रेल सुरक्षा बल के अपराध निवारण जांच दल (CPDS) ने अंधेरी स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 और 7 पर एक संदिग्ध व्यक्ति को घूमते हुए देखा। सीसीटीवी सर्विलांस के जरिए उस पर पैनी नजर रखी जा रही थी। संदिग्ध व्यक्ति ने प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 पर लोकल ट्रेन का इंतजार कर रहे एक यात्री की जेब से सैमसंग मोबाइल (10,000 रुपये मूल्य का) की चोरी कर भागने कोशिश की किंतु अपराध निवारण जांच दल की सतर्कता से उसे तुरंत पकड़ लिया गया तथा आरपीएफ पोस्ट लाया गया, जहां उसने अपना नाम जाहिद शेख, निवासी अंधेरी पूर्व, साकीनाका बताया। उसने 13 मार्च, 2022 को एक अन्य यात्री के मोबाइल चोरी के मामले में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की। बरामद की गई चोरी की संपत्ति के साथ आरोपी को उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी/अंधेरी को सौंप दिया गया, जहां उसके खिलाफ आईपीसी 379 के अंतर्गत जीआरपी/अंधेरी/सीआर 12/2022 के तहत मामला दर्ज किया गया। यह भी पता चला कि आरोपी आदतन अपराधी था और उसके खिलाफ सिटी पुलिस स्टेशन में चोरी, डकैती और एनडीपीएस एक्ट सहित आईपीसी के तहत 12 अन्य मामले दर्ज थे।

राज्यपाल, ईडी केवल महाराष्ट्र प. बंगाल सरकार को टार्गेट कर रहे हैं – संजय राऊत

नागपुर। राज्यपाल और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) केवल महाराष्ट्र सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार को टार्गेट कर रहे हैं। भाजपा शासित प्रदेशों में भी राज्यपाल और ईडी के कार्यालय हैं लेकिन उन्हें परेशान नहीं किया जा रहा है। इस तरह का आरोप शिवसेना नेता व सांसद संजय राऊत ने लगाया है।

शिवसंपर्क अभियान के निमित्त नागपुर में शिवसेना नेता व सांसद संजय राऊत ने गुरुवार को पत्रकारों से संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के गृहविभाग की एक आदर्श परंपरा रही है। वह कभी भी केंद्रीय जांच एजेंसियों की तरह द्वेष की भावना से व्यवहार नहीं करता है। सांसद राऊत से पत्रकारों ने सवाल किया कि कर्नाटक के उडुप्पी में आयोजित एक वार्षिक समारोह में हिंदूवादी संगठन के माध्यम से गैर हिंदुओं को दुकानें नहीं लगाने दी गईं। इसका जवाब देते हुए उन्होंने इस तरह के कृत्यों के चलते देश के बंटवारे के पहले की स्थिति पैदा होने की संभावना जताई। सांसद राऊत ने एक और सवाल का जवाब देते हुए कहा कि विदर्भ के एक शिवसेना विधायक को मंत्रिमंडल में समावेश करने पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जल्द ही निर्णय लेंगे।

महिलाओं एवं बच्चों के अत्याचारियों को जल्द सजा देगी 'अनन्या'... विशेष अदालत बिल विधान परिषद में भी हुआ पास

मुंबई। राज्य में महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों को रोकने एवं उन्हें न्याय दिलाने के लिए सरकार की ओर से लाए गए शक्ति कानून के तहत 'अनन्या' विशेष अदालत विधेयक गुरुवार को विधान परिषद में भी पारित हो गया। इसी के साथ महिलाओं और बच्चों के साथ जघन्य कृत्यों को अंजाम देनेवालों पर लगाम लगानेवाला शक्ति सुरक्षा कवच और मजबूत हो गया है। उक्त मामलों को निपटानेवाले विशेष अदालत विधेयक को सर्वसम्मति से सदन में पास किया गया। सदन में उपसभापति नीलम गोऱ्हे सहित अन्य सदस्यों ने इस बिल के पारित होने पर खुशी व्यक्त करते हुए सरकार का अभिनंदन किया।

सदन में गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटील ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि महिलाओं एवं बच्चों के साथ होनेवाले अपराधों को रोकने के लिए सरकार ने 'शक्ति' कानून पहले ही पास कराया है। उसी के तहत अब उनसे जुड़े मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए 'अनन्या' विशेष अदालत की स्थापना के लिए कानूनी बदलाव कर यह विधेयक लाया गया है। इससे महिलाओं और बच्चों पर हो रहे अन्याय और उनके खिलाफ अपराधों पर अंकुश लगेगा, साथ ही उनसे जुड़े मामले फास्ट ट्रैक पर विशेष अदालत के माध्यम से चलाए जा सकेंगे।

महिला सुरक्षा में महत्वपूर्ण कदम

उपसभापति नीलम गोऱ्हे ने विधेयक पास होने के बाद अभिनंदन करते हुए कहा कि सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे फास्ट ट्रैक अदालत के जरिए महिलाओं एवं बच्चों को कम समय में न्याय मिलेगा।

मुंबई के विकास में दिल्ली का रोड़ा ! केंद्र के कारण लटका धारावी का पुनर्विकास, उद्धव ठाकरे का तीखा आरोप

मुंबई। मुंबई के पुनर्विकास में केंद्र सरकार की ओर से रोड़ा डाला जा रहा है। खासकर धारावी पुनर्विकास परियोजना का काम केंद्र सरकार की वजह से लटका हुआ है। आठ सौ करोड़ रुपए भुगतान करने के बाद भी रेल मंत्रालय जमीन हस्तांतरित करने में ढिलाई बरत रहा है। कई परियोजनाओं को हम गति दे रहे हैं तो कई परियोजनाओं का विचार है, लेकिन उसे हम पूरा नहीं कर सकते क्योंकि वह अपने अधीन नहीं बल्कि केंद्र के अधीन है। इन शब्दों में कल मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने बीडीडी चाल, एसआरए योजना, जरूरतमंदों को घर, म्हाडा सोसायटियों को सेवा शुल्क या अकृषिक टैक्स में राहत और ३०० विधायकों के लिए स्थाई घर बनाने जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के अपने सहयोगी मंत्रियों के काम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बेहतर काम कर रही है। हम जो कहते हैं, उसे पूरा करके दिखाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परियोजनाओं और योजनाओं को पूरा करने की घोषणा और आश्वासन आश्वासन मैं अपने मंत्रिमंडल के सभी सहयोगियों की ओर से दे रहा हूं, उन्हें केवल कागजों में सीमित न रखकर प्रस्तावित परियोजनाओं को आकार दिया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से डाले जा रहे अड़ंगें में से धारावी के पुनर्विकास का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि धारावी का विकास होना चाहिए, लेकिन उसका विकास होता नहीं दिख रहा क्योंकि दुर्भाग्य से केंद्र सरकार से जो बातचीत चल रही है, निष्कर्ष नहीं निकल रहा है। रेलवे की जमीन हस्तांरित करने के लिए तकरीबन ८०० करोड़ रुपए दिए गए हैं। मैंने रेल मंत्री से भी बात की, लेकिन जमीन हस्तांतरण का मसला अभी तक हल नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि केंद्र के अधीन जितनी जमीनें हैं, उसका केंद्र सरकार से लगातार प्रयास करके स्थायी हल निकालना होगा।साहेब ने तैयार की थी एसआरए की संकल्पनामुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी पार्टियों के विधायकों को स्थाई घर देना चाहते हैं, इसके लिए मुंबई के गोरेगांव में ग्रामीण क्षेत्र के विधायकों के लिए ३०० घर बनाने की योजना है। उन्होंने कहा कि मुंबई में लोगों को रोटी-कपड़ा मिल जाता है, लेकिन मकान नहीं मिलता।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।